श्रावण कृष्ण पक्ष षष्ठी संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 13 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
16 जुलाई 2025 बुधवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
23 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

अब चूहों पर 800 बोतल शराब गटकने का आरोप

रांची, एजेंसी

झारखंड में हर बार चूहों पर कोई नया इल्जाम लग रहा है। अब मामला शराबखोरी का है। राज्य में एक सितंबर से नई शराब नीति लागू होने से ठीक पहले ऐसा ही एक अजब मामला सामने आया है। यह मामला नीति लागू होने से पहले शराब के स्टॉक की जांच के दौरान तब आया, जब धनबाद में 802 शराब की बोतलें खाली मिलीं। शराब कारोबारियों से जब इसका कारण पूछा गया, तो उन्होंने सारा इल्जाम चूहों पर मढ़ दिया। उन्होंने आबकारी अधिकारियों को बताया कि चूहों ने बोतलों के ढक्कन कुतर दिए और सारी शराब पी गए। हालांकि, उनकी यह बेतुकी दलील काम नहीं आई तथा अधिकारियों ने व्यापारियों से नुकसान की भरपाई करने को कहा है। गौरतलब है कि झारखंड में एक कहावत है- ÷सूर्य अस्त, झारखंड मस्त% यानि शाम होते ही शराब सेवन एक आम बात है। खास यह कि धनबाद में इससे पहले भी, चूहों पर पुलिस द्वारा जब्त किए गए लगभग 10 किलो भांग और 9 किलो गांजा खाने का आरोप लगा था। वह मामला तो अदालत तक पहुंच गया था, जहां अदालत ने अधिकारियों को उनके बेतुके दावे के लिए खूब फटकारा था।

विमान लैंडिंग में गड़बड़ी से फिर यात्रियों की सांसें फूलीं

पटना एजेंसी

अब पटना एयरपोर्ट पर ऐसा वाकया हुआ कि यात्रियों की सांसे फूल गईं। दरअसल नई दिल्ली से आने वाली इंडिगो की फ्लाइट पटना एयरपोर्ट पर लैंड करने के बाद दोबारा उड़ गई। फिर, तीन-चार चक्कर लगाने के बाद फ्लाइट ने फिर लैंड किया। इस दौरान दिल्ली से पटना आ रहे करीब 173 यात्रियों की सांसें 5 मिनट तक अटकी रहीं। जानकारी के अनुसार, बीती देर रात दिल्ली से पटना आने के बाद पायलट ने विमान की लैंडिंग कराई। हालांकि, विमान टचिंग पॉइंट को थोड़ा ओवरशूट कर गया था। पटना एयरपोर्ट का रनवे छोटा है। पायलट को लगा कि रनवे पर विमान को नहीं रोक पाएंगे तो उन्होंने दोबारा विमान ऊपर उठा लिया। ऐसा हुआ तो सवार यात्री परेशान हो गए, उन्हें लगा कि कोई विमान रनवे पर होगा या फिर कोई इमरजेंसी हुई होगी। क्रू मेंबर ने यात्रियों का ढांढस बंधाया कि इमरजेंसी नहीं हुई है। तकनीकी कारणों से विमान टेकऑफ किया गया है। उल्लेखनीय है कि इस समय पटना एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई 2,072.64 मीटर है। इसे 584.96 मीटर और बढ़ाकर 3657.6 मीटर करने की तैयारी चल रही है। यह कवायद केंद्र सरकार के सर्कुलर के बाद तेज हुई है।

भारतीयों को ईरान नहीं जाने व निकलने की सलाह से हडकंप

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान में स्थित भारतीय दूतावास ने देर रात भारत के नागरिकों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की है तथा दूतावास ने लोगों से ईरान में गैर-जरूरी यात्रा से बचने की सलाह दी है। भारतीय दूतावास ने ङ्क पर कहा, पिछले कई हफ्तों में सुरक्षा संबंधी घटनाक्रमों को देखते हुए, भारतीय नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे ईरान की गैर-जरूरी यात्रा करने से बचें। साथ ही लोगों को यह भी सलाह दी गई कि वे ईरान के ताजा घटनाक्रमों पर नजर रखें और भारतीय अधिकारियों की तरफ से जारी एडवाइजरी का पालन करें। जो भारतीय नागरिक पहले से ही ईरान में हैं और वहां से निकलना चाहते हैं तो उन्हें कॉमर्शियल फ्लाइट्स और नौका फेरी सर्विस का इस्तेमाल करने को कहा गया है। यह चेतावनी इजराइल, ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के बाद आई है। जंग के दौरान भी भारतीय दूतावास ने ईरान में भारतीय नागरिकों को गैर-जरूरी आवाजाही से बचने और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की चेतावनी दी थी। भारत ने ईरान-इजराइल जंग में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए ऑपरेशन सिंधु भी लॉन्च किया था। इसके तहत, ईरान और इजराइल से 4,415 भारतीयों को वापस लाया गया था।

114 वर्षीय एथलीट फौजा सिंह को टक्कर मारने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। 114 वर्षीय एथलीट फौजा सिंह को टक्कर मारने वाले कार ड्राइवर को जालंधर पुलिस ने देर रात गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान करतारपुर के दासूपुर गांव के रहने वाले एनआरआई अमृतपाल सिंह ढिल्लों (27) के रूप में हुई। वह 8 दिन पहले ही कनाडा से लौटा था। उसकी फॉर्च्यूनर भी बरामद कर ली है। फौजा सिंह को 14 जुलाई को गंभीर हालत में निजी अस्पताल लाया गया था। वहां उन्होंने दम तोड़ दिया। अभी तक उनका अंतिम संस्कार नहीं किया गया है। परिवार के लोगों का कहना है कि उनके बेटे, बेटियां और अन्य रिश्तेदार कनाडा से आ रहे हैं। जिसके नाम यह गाडी रजिस्टर्ड थी उसने बताया कि कनाडा से आए अमृतपाल ने उसकी कार खरीदी थी।

इंदौर-खंडवा रेल प्रोजेक्ट को अंततः हरी झंडी मिली

इंदौर। लंबे समय से टल रही इंदौर-खंडवा रेल परियोजना से जुड़ी सबसे बड़ी बाधा अब दूर हो गई है। वन विभाग ने इस महत्वपूर्ण रेल लाइन के लिए एनओसी यानि अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी कर दिया है। जिससे अब इस परियोजना को तेजी से आगे बढ़ाया जा सकेगा। यह रेल लाइन उत्तर भारत को दक्षिण भारत से जोड़ने वाला सबसे छोटा और सीधा रेल मार्ग साबित होगी, जो न केवल इंदौर के व्यापारिक और औद्योगिक भविष्य को नई रफ्तार देगा, बल्कि यात्रियों को भी समय और दूरी दोनों में राहत देगी। इंदौर-खंडवा रेल लाइन के पूरा होने के बाद इंदौर का संपर्क सीधे खंडवा-भुसावल-नासिक-मुंबई की ओर तथा तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल जैसे दक्षिण भारतीय राज्यों से तेज, किफायती और सुविधाजनक सफर हो जाएगा।

4 दिन के प्रवास के दौरान कई महत्वपूर्ण मुलाकातें, दुबई जैसी सफलता की उम्मीद

अब स्पेन में इंवेस्ट इन एमपी का दौर, निगाहें अंतर्राष्ट्रीय सहयोग कीओर, मैड्रिड में सीएम

मैड्रिड/ भोपाल

तीन दिन के दुबई दौरे के बाद अब मुख्यमंत्री मोहन यादव चार दिन के लिये स्पेन दौरे पर पहुंच गए हैं। वे स्पेन फिल्म आयोग के अध्यक्ष से मुलाकात करेंगे। इस बातचीत में मध्यप्रदेश में अंतरराष्ट्रीय स्तर की फिल्म शूटिंग और सहयोग पर चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्राडो म्युजियम का भ्रमण भी करेंगे। स्पेन पहुंचने पर भारतीय मूल के लोगों नेभी मुख्यमंत्री जोरदार स्वागत किया। स्पेन पहुंचकर मीडिया से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि दुबई का दौरा मध्य प्रदेश के लिए काफी सकारात्मक रहा। मैं इस यात्रा से संतुष्ट हूं। अब आने वाले समय में दुबई में हमारी गतिविधि को आगे बढ़ाना पड़ेगा। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जिस प्रकार से विश्व के देशों के साथ भारत सरकार के अंब्रेला में राज्य सरकार काम कर रही है मध्यप्रदेश उसमें अपनी बड़ी भूमिका देखता है। इसी आधार पर हमने स्पेन और दुबई का दौरा बनाया ।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि दुबई दौरे में यह देखा गया है कि टूरिज्म हो, माइनिंग हो, अलग-अलग प्रकार की फूड इंडस्ट्री हो, हमको हर एक स्थान पर स्कोप नजर आया है अब उम्मीद है कि स्पेन का दौरा इसी प्रकार रहेगा। बताया जाता है कि स्पेन में वे भारतीय राजदूत से मिलेंगे, यह मुलाकात आज ही होगी। उनसे राजदूत दिनेश के. पटनायक शिष्टाचार भेंट करेंगे। इसके बाद यादव मैड्रिड में आयोजित इन्वेस्ट इन मध्यप्रदेश बिजनेस फोरम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस सेशन में वरिष्ठ अधिकारी पर्यटन, औद्योगिक नीति एवं निवेश, आईटी और अधोसंरचना सेक्टर पर प्रेजेंटेशन देंगे। वे उद्योग, पर्यटन, खेल, संस्कृति तथा फिल्म निर्माण से जुड़े विषयों पर उच्च स्तरीय बैठकों में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री यादव स्पेन में बसे भारतीय व्यापार समुदाय के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे और मैड्रिड में आयोजित विशेष रात्रि भोज में भाग लेंगे।

सीईओ बताएंगे अपने अनुभव

जानकारी के मुताबिक बिजनेस फोरम की शुरुआत मध्यप्रदेश शासन के सचिव एवं मुख्यमंत्री के सचिव इलैया राजा टी. के स्वागत भाषण से होगी। स्पेन-इंडिया काउंसिल फाउंडेशन के अध्यक्ष जुआन इग्नासियो एंत्रेकानालेस भी फोरम को संबोधित करेंगे। नेचर बायोफूड्स के सीईओ रोहन ग्रोवर द्वारा अनुभव साझा किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव फोरम में उपस्थित उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश में विभिन्न सेक्टर्स में निवेश के अवसरों पर विस्तृत जानकारी देंगे। नेटवर्किंग लंच में मुख्यमंत्री डॉ. यादव स्पेन के प्रमुख उद्योगपतियों एवं विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव खेल सेक्टर में विख्यात स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर डिजाइन एवं कंसल्टिंग फर्म 'पॉपुलस' के प्रजेंटेशन में भाग लेंगे। यह प्रेजेंटेशन जोर्ज बेटनकौर द्वारा दिया जाएगा। जिसमें मप्र में आधुनिक खेल अधोसंरचना विकास पर चर्चा की जाएगी।

अब नाटो की गैर कूटनीतिक शब्दावली

भारत, चीन व ब्राजील को रूस से कारोबार नहीं करने की 'धमकी'

नई दिल्ली, एजेंसी

अगर आप चीन या ब्राजील के राष्ट्रपति हैं, या फिर भारत के प्रधानमंत्री हैं और आप रूसियों के साथ बिजनेस कर रहे हैं, उनका तेल और गैस खरीद रहे हैं, तो आप समझ लीजिए कि अगर मॉस्को में बैठा वो आदमी शांति वार्ता को गंभीरता से नहीं ले रहा है तो मैं 100 परसेंट का सेकेंडरी सैंक्शंस लगाने जा रहा हूं।

यह धमकीभरे शब्द दुनिया के शक्तिशाली देशों के संगठन नाटो चीफ मार्क रूट है। उन्होंने गैर कूटनीतिक शब्दावली का इस्तेमाल करते हुए भारत-ब्राजील और चीन को रूस के साथ बिजनेस न करने की सलाह दी है। रूट ने कहा यदि ब्राजील, चीन और भारत जैसे देश रूस के साथ व्यापार करना जारी रखते हैं तो उन पर अमेरिका द्वारा 100 फीसद सेकेंडरी सैंक्शंस लगाया जा सकता है, ये प्रतिबंध बहुत भारी पड़ सकते हैं। आज अमेरिकी सीनेटरों के साथ बैठक के दौरान यह बात कही। यह बात राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा यूक्रेन के लिए नए हथियारों की घोषणा और रूस से सामान खरीदने वाले देशों पर कठोर टैरिफ लगाने की धमकी देने के ठीक एक दिन बाद कही गई है। रूट ने कहा है कि इन देशों को चाहिए कि वे पुतिन पर यूक्रेन के साथ सीजफायर के लिए दबाव बनाएं।

धान रोप रही महिला पर मगरमच्छ का हमला

तेन्दूखेड़ा दोपहर मेट्रो

समीपस्थ ग्राम झालौन में नाले के समीप धान के रोपे साफ कर रही एक महिला पर नाले से निकले मगरमच्छ ने हमला कर दिया। मगरमच्छ महिला को खींचने का प्रयास करने लगा लेकिन इस दौरान महिला के हिम्मत जुटाकर बचने की कोशिश की और चीखी, इस पर उसके बेटे ने सूझबूझ के साथ महिला को मगरमच्छ के चंगुल से छुड़ाया। हमले से गंभीर रूप से घायल महिला को इलाज के लिए जबलपुर रेफर कर दिया गया है। महिला का नाम संतोषरानी अहिरवार(48) है और वह अपने खेत में धान का रोपा लगाने से पहले इसे धो रही थी। इसी दौरान मगरमच्छ ने उस पर हमला किया और हाथ को जबड़े में जकड़ते हुए उसे पानी में खींचने लगा। महिला को बचाने के लिए उसका बेटा और ग्रामीण भी पानी में कूद गए और उन्होंने मगरमच्छ पर पत्थर फेंकने शुरू कर दिए। डरकर मगरमच्छ ने महिला को छोड़ दिया और नाले की गहराई में चला गया। बताया जाता है कि व्यारमा नदी में बांध और पानी ठहराव से मगरमच्छों की आबादी बढ़ने लगी है। ताजा मामले में पीड़ित महिला को तत्काल सहायता राशि दी गई है। मगरमच्छ को पकड़ने की भी कोशिश है।

दो राजनीतिक दलों के ठिकानों पर आयकर की छापेमारी

जयपुर। देशभर में करीब 150 ठिकानों पर केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड सीबीडीटी के निर्देश पर आयकर छापे की कार्रवाई का दायरा बढ रहा है। आयकर विभाग ने यह दायरा बढ़ाकर दो पॉलिटिकल पार्टी के ठिकानों पर भी रेड की है। राजस्थान आयकर विभाग की अन्वेषण शाखा ने इन पार्टी के महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश और राजस्थान में मौजूद 10 ठिकानों पर छापेमारी की । बताया जाता है कि आयकर टीमों को पिछले तीन साल में दोनों पॉलिटिकल पार्टी के कमीशन काटकर 500 करोड़ रुपए का बोगस चंदा वापस लौटाने के सबूत मिले है। आयकर विभाग छापेमारी में मिले डॉक्यूमेंट और डिजिटल डिवाइस की पड़ताल कर रही है। बताते हैं कि इनकम टैक्स जालसाजी संगठित गिरोह के संपर्क में मध्यप्रदेश की भारतीय सामाजिक पार्टी और महाराष्ट्र की युवा भारत आत्मनिर्भर दल का होना सामने आया। भारतीय सामाजिक पार्टी का रजिस्टर्ड ऑफिस मप्र के अलीराजपुर और युवा भारत आत्मनिर्भर दल का औरंगाबाद में हैं। सामाजिक पार्टी के बैंक अकाउंट राजस्थान के भीलवाड़ा में है।

मेट्रो एंकर | अमेरिका व भारत के बीच ट्रेड डील बाधित होने की बड़ी वजह?

नॉन वेजिटेरियन गाय, वाशिंगटन व दिल्ली के बीच का रोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत जैसी सांस्कृतिक संवेदनशीलता वाले देश में यदि एक ऐसी गाय के दूध से बना मक्खन खाना हो, जिसे दूसरी गाय का मांस और खून खिलाया गया हो, तो..? दरअसल, ऐसी ही कुछ आशंकाएं हैं जो भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील के लिए होने वाली बातचीत को पूरी तरह सिरे नहीं चढने दे रही है। दोनों देश के शीर्ष वार्ताकार कृषि और डेयरी मुद्दों पर सहमति कायम करने के लिए एक साझा आधार तलाश रहे हैं। भारत के सामने किसानों के हितों की रक्षा के अलावा, ÷मांसाहारी दूध को लेकर सांस्कृतिक-धार्मिक संवेदनशीलता भी एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है। जबकि वाशिंगटन इस वक्त दिल्ली पर अपना डेयरी बाजार खोलने के लिए भरसक दबाव बना रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत चाहता है कि ऐसे प्रोडक्ट पर इस बात की स्पष्ट सूचना लिखी हो कि अमेरिका से आयात किया गया ये दूध उन गायों से आता है जिन्हें

मांस या खून से बने चारे नहीं खिलाए गए हैं। धार्मिक व सांस्कृतिक संवेदनशीलता के कारण ही भारत ऐसी सूचना को अपने उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए 'कभी भी समझौता न किए जाने वाला रेड लाइन' मानता है।

गौरतलब है कि अमेरिका में गायों को चारे में नॉन-वेज प्रोडक्ट खिलाए जाने की परंपरा है। हालांकि भारत-अमेरिका दोनों देश ट्रेड डील को संभव बनाने के लिए काम कर रहे हैं। जिसका उद्देश्य एक समझौते तक पहुंचना और 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक बढ़ाना है मगर डील की सबसे बड़ी बाधा डेयरी और कृषि क्षेत्र के मुद्दे बन रहे हैं। गतिरोध का मूल कारण भारत द्वारा अमेरिकी प्रोडक्ट पर सख्त सर्टिफिकेट का सिस्टम लागू करना है। बताते हैं कि वाशिंगटन डीसी ने डेयरी और कृषि पर भारत के अड़ियल रवैये को 'अनावश्यक व्यापार बाधा' करार दिया है।

शीर्षस्थ सरकारी सूत्रों के अनुसार भारत ने डेयरी क्षेत्र में किसी भी तरह की नरमी बरतने से साफ़ इनकार कर दिया है. यह क्षेत्र 1.4 अरब से ज़्यादा लोगों की रोजाना की जरूरतों से जुड़ा है और 8 करोड़ से ज़्यादा लोगों खासकर छोटे किसानों को रोजगार देता है। भारत का स्टेंड यह है कि डेयरी क्षेत्र में नरमी का सवाल नहीं है। भारत की ये आबादी गायों को नॉन वेज चारे को खिलाने को अपनी धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप नहीं मानती है. ये लोग इस गाय के दूध से बने किसी भी प्रोडक्ट को खाना पसंद नहीं करते हैं।

1.03 लाख करोड़ रुपए का नुकसान

एक अन्य मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भारत का डेयरी बिजनेस अभी 16.8 बिलियन डॉलर है। वैश्विक दूध उत्पादन (239 मिलियन मीट्रिक टन) का लगभग एक-चौथाई हिस्सा भारत से आता है जो करोड़ों की आजीविका का आधार है। जबकि अमेरिकी डेयरी आयात के लिए बाज़ार खोलने से भारत में सस्ते उत्पादों की बाढ़ आ जाएगी और घरेलू कीमतें गिरेंगी। इससे छोटे किसानों की आर्थिक सेहत को खतरा पैदा होगा। भारत अपने डेयरी क्षेत्र को अमेरिकी आयात के लिए खोलता है तो उसे सालाना 1.03 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होगा। भारत अभी विदेश से आयात डेयरी प्रोडक्ट पर उच्च टैरिफ लगाता है।

तौलकांटा लेकर बस्तों का वजन चैक करने पहुंचे कांग्रेस नेता

स्कूली बच्चों के बस्तों का वजन तय मापदंडों से ज्यादा!

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्कूल खुलने के साथ ही बच्चों के कांधे पर भारी बैग नजर आने लगे हैं। अब कांग्रेस नेताओं ने स्कूल पहुंचकर बच्चों के बैग का वजन चेक ही जांच डाला। उन्होंने बकायदा तौल कांटे पर बैग रखकर वजन देखा। कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी, अभिनव बरोलिया, कुंदन पंजाबी और विक्रम चौधरी ने आरोप लगाया कि 16 जून से प्रदेश में स्कूल बैग के वजन को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शुरू किया जाने वाला जागरुकता अभियान एक माह बीत जाने के बाद भी केवल कागजों और आदेशों में ही चल रहा है।

कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि शिक्षा माफियाओं ने कमीशन के लालच में न सिर्फ निजी स्कूलों बल्कि शासकीय स्कूलों को निशाना बनाया हुआ है। इनमें सीएम राइज स्कूल तक शामिल हैं। त्रिपाठी ने बताया कि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से महज 500 मीटर की दूरी पर शासकीय पीएमश्री स्कूल और निजी स्कूल के छात्र भी शासन के निर्धारित मापदंडों से कई गुना अधिक वजन के स्कूल बैग ढोने को मजबूर हैं। छोटे बच्चों के नाजुक कंधों पर अत्यधिक वजन लादने की वजह से कई बच्चे पढ़ाई और खेलकूद की उम्र में ही डॉक्टर

और अस्पताल के चक्कर लगाने को मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने भाजपा सरकार, प्रशासन और बाल आयोग पर इस गंभीर विषय पर 'मूक दर्शक' बने रहने का आरोप लगाया और कहा कि शिक्षा माफिया अनावश्यक किताबों की खरीद में कमीशनखोरी के लालच में छात्रों के जीवन और स्वास्थ्य के साथ खुला खिलवाड़ कर रहे हैं। शासकीय स्कूलों में मुफ्त मिलने वाली किताबों के वितरण में भी नियमों का उल्लंघन चिंताजनक है।

हर बस्ते का वजन तय

उल्लेखनीय है कि स्कूल बैग का वजन तय है। मध्यप्रदेश के सभी शासकीय, अशासकीय और अनुदान प्राप्त स्कूलों में अब छात्रों के स्कूल बैग का वजन निर्धारित सीमा में रखना अनिवार्य किया गया है। लोक शिक्षण संचालनालय, मध्यप्रदेश द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किया गया है, जो स्कूल बैग पॉलिसी 2020 के दिशा-निर्देशों के अनुसार है। मोटे तौर पर इसमे कक्षा एक से पांच तक के बच्चों के बस्ते में किताबों का वजन डेढ से करीब ढाई किलो तक और दसवीं तक बस्तों का वजन ढाई से अधिकतम साढे चार किलो तक होना चाहिये।

राजधानी की बदहाल सड़कों पर चलना हो रहा है दुश्वार, आखिरकार लोक निर्माण विभाग ने शुरू की मरम्मत, पेविंग ब्लॉक बिछाकर सुधारी जा रही सड़कों की सूरत

सड़क पुराण... जबर्दस्त फजीहत के बाद मरम्मत

भोपाल दोपहर मेट्रो

लगातार बारिश की वजह से राजधानी की जर्जर होती सड़कों ने लोक निर्माण और नगर निगम की पोल खोल दी हैं। लगातार हो रही फजीहत के बाद अब सड़कों को सुधारने की मुहिम शुरू की गई है। हालात यह है कि कई सड़कों के हाल बुरे हैं और उन पर एक से डेढ़ फीट तक गहरे गड्ढे हो गए हैं। लिहाजा लोनिवि अफसर इन सड़कों की मरम्मत करा रहे हैं। सबसे पहले भाजपा दफ्तर और रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के सामने उखड़ी सड़कों पर पेविंग ब्लॉक बिछाए गए। इस सड़क का बड़ा हिस्सा जर्जर हो चुका है तथा भारी ट्रेफिक के चलते यहां हादसे का खतरा भी बन रहा था। सड़कों की मरम्मत का सिलसिला 20 जुलाई तक चलेगा।

उल्लेखनीय है कि राजधानी में सड़कों की दुर्दशा को लेकर लोनिवि मंत्री राकेश सिंह ने निर्देश पर आखिरकार इंजीनियर इन चीफ केपीएस राणा और भोपाल सर्किल के चीफ इंजीनियर संजय मस्के ने शहर की पांचों डिवीजन की उन सड़कों का निरीक्षण किया, जहां गड्ढों की शिकायत थी। इस निरीक्षण के बाद निचले अमले को तेजी से काम करने के निर्देश दिए गए थे। इसका असर अब नजर आ रहा है। कल से शहर की सड़कों की मरम्मत शुरू हो गई। नर्मदापुरम रोड से सटे भाजपा के निर्माणाधीन मुख्यालय के सामने और मोड पर 10 से 15 फीट तक उखड़ी सड़क व गहरे गड्ढों की सुध ली गई। मोड पर यहां दोपहिया वाहन चालक गिर रहे थे व फोर व्हीलर को नुकसान हो रहा था। इसके चलते दोनों ही जगह पर मरम्मत शुरू कराई गई। इन पर पेवर ब्लॉक बिछाए गए हैं। ताकि, फिर से गड्ढे न हो।

इसके अलावा 10 नंबर इलाके से लेकर पुराने शहर के करोद मंडी क्षेत्र में जलभराव वाले हिस्सों में पेवर ब्लॉक लगाए गए। सिंधी कॉलोनी से बैरसिया रोड और जवाहर चौक से भदभदा तक की सड़कें अब मेट्रो कॉर्पोरेशन मेंटनेंस करेगा। शहर में गुलमोहर,रोहित नगर से लेकर प्रशासन अकादमी के सामने की सड़क से लेकर शिवाजी नगर तक सड़के खराब हो चुकी हैं। इन पर जरा सी धूप में धूल उडती हैं। मुख्य अभियंता संजय मस्के के अनुसार, शहर की सड़कों का मेंटेनेंस कार्य 20 जुलाई तक पूरा कर लिया जाएगा।

कुशीनगर एक्सप्रेस में छापामार कार्रवाई

ट्रेन में बिक रहीं थीं बाहर की बोतल जांच दल ने दो सौ जब्त की

भोपाल दोपहर मेट्रो

रेल मंडल में खानपान सेवाओं की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने हेतु चलाए जा रहे विशेष निरीक्षण अभियान के अंतर्गत अब एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। हालांकि पिछले कुछ दिनों से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया के नेतृत्व में वाणिज्य विभाग सतत रूप से खानपान स्टालों, ट्रेनों एवं स्टेशनों पर निगरानी रख रहा है। इसी क्रम में वाणिज्य विभाग को एक सूचना मिली थी कि कुशीनगर एक्सप्रेस में अनअप्रूव्ड ब्रांड की पानी की बोतलें बड़ी मात्रा में लाकर यात्रियों को बेची जा रही हैं। इस पर संयुक्त जांच टीम का गठन किया गया, जिसमें स्टेशन मास्टर एसके खरे,मुख्य टिकट निरीक्षक सुनील वर्गीस, वाणिज्य निरीक्षक विनोद वर्मा तथा कैटरिंग इंस्पेक्टर मेघा नागदेव को शामिल किया गया। तय योजनानुसार जब कुशीनगर एक्सप्रेस भोपाल स्टेशन पर पहुँची, तो टीम ने अचानक ट्रेन में चढ़कर छापामार कार्रवाई की। जांच के दौरान पैंट्री क्षेत्र के समीप एवं वेंडिंग पॉइंट्स के आसपास तलाशी ली गई, जिसमें कुल 18 क्रेट अनअप्रूव्ड ब्रांड की पानी की बोतलें बरामद की गईं। यह पानी रेलवे द्वारा स्वीकृत सूची में शामिल नहीं था और न ही विक्रेताओं के पास कोई वैध अनुमति अथवा बिल उपलब्ध था। सभी पानी की बोतलों को तत्काल जप्त कर नियमानुसार आगे की कार्रवाई हेतु भेज दिया गया।

उल्लेखनीय है कि भोपाल रेल मंडल में 9 जुलाई से शुरू इस विशेष अभियान के तहत पहले ही अनियमितताओं पर कार्यवाही प्रारंभ की जा चुकी है और कई स्टालों को अनुशासनहीनता के चलते अस्थायी रूप से बंद भी किया गया है। भोपाल व आसपास के रेल स्टेशनों पर तथा ट्रेनों के भीतर भी जांच अभियान चलाया गया है

अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें शुरू होने के पहले व्यवस्था का दौर

अब एयरपोर्ट पर थर्मल स्कैनर पकड़ेगा मुसाफिरों का संक्रमण

भोपाल दोपहर मेट्रो। राजधानी के राजा भोज एयरपोर्ट पर विदेश से आने-जाने वाले यात्रियों में संक्रमण जनित बीमारियों की पहचान के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की गाइडलाइन के तहत थर्मल इमेजिंग स्कैनर लगाने की तैयारी तेज है। इससे मंकी पॉक्स, कोरोना सहित अन्य वायरल इंफेक्शनों की पहचान अराइवल और डिपार्चर के समय की जा सकेगी।

जानकारी के मुताबिक टरनेशनल एयरपोर्ट के तौर पर चयनित राजा भोज टर्मिनल पर स्कैनर लगाने के लिए सेंट्रलाइज्ड टेंडर प्रक्रिया से कंपनियों का चयन हो रहा है। यह इन्फ्रारेड तकनीक पर काम करेगा तथा दूर से संक्रमण पहचान लेगा। यह यात्रियों को छुए बिना ही उनके शरीर का पमान जांच सकेगा। यह सिस्टम भीड़भाड़ के समय भी तेजी से काम करेगा। स्कैनर में फेस रिकग्निशन, अलर्ट सिस्टम, डेटा स्टोरेज, डेटा एक्सपोर्ट जैसी सुविधाएं होंगी। यदि कोई संक्रमित व्यक्ति स्कैनर से गुजरेगा तो यह अलर्ट भेजेगा।

उल्लेखनीय है कि 2025में प्रदेश में अब तक 323 कोरोना मरीज मिले हैं, जिनमें 9 की मृत्यु हो चुकी है। भोपाल से इंटरनेशनल फ्लाइट्स शुरू होने के चलते यह कदम उठाया जा रहा है। क्योंकि कोरोना हो या अन्य कोई संक्रामक जानलेवा बीमारी का खतरा पिछले 5 साल से बढ़ा है। विशेषज्ञों का मानना है कि विदेश से आने वाले यात्रियों के जरिए संक्रमण फैलने की आशंका अधिक होती है।

बच्चों ने निकाली नशा मुक्ति जागरूकता रैली पुलिस ने दिलाया नशे से दूर रहने का संकल्प

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

नशा मुक्ति जागरूकता अभियान में बच्चों ने रैली निकाली। नशा मुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया। अभियान में संत हिरदाराम नगर एसीपी आदित्य राज सिंह एवं थाना प्रभारी अशोक कुमार गौतम अपनी टीम के साथ शामिल हुए।

संस्था के सचिव बसंत चेलानी ने नशा मुक्त की संदेश देने बच्चों के बीच पुलिस अधिकारियों के आने का स्वागत किया। उन्होंने कहा, सुरक्षा की जिम्मेदारी के साथ समाज में बुराइयों को जागरूकता से खत्म करने की पुलिस के पहल सकारात्मक पहल है। संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी ने कहा कि बच्चों जो आपकी उम्र है इसी उम्र से नशे की शुरूआत होती है और यही से इसको रोका जा सकता है। थाना प्रभारी अशोक कुमार गौतम ने कहा कि आपने जो अभी रैली में नारे

लगाए हैं ''हमारा है यही संदेश, नशा मुक्त हो मध्य प्रदेश, नशे से दूरी है जरूरी'' यदि इसको अपने जीवन में अपनाते है तो हम अपने जीवन को सुखमय बना सकते हैं। अभियान में संस्था के कोषाध्यक्ष चंदर नागदेव, सह सचिव नरेश वासवानी, प्राचार्य आर.के. मिश्रा, प्रधानाचार्या मृदुला गौतम, कोर्डिनेटर सीमा शर्मा एवं समस्त षिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

बारिश ने बदल दी बड़ा तालाब से लेकर बांधों तक की रंगत

भोपाल दोपहर मेट्रो

इन दिनों राजधानी व सटे शहरी इलाके में रिमझिम फुहारों का सिलसिला तालाब और जलाशयों का जलस्तर बढ़ा रहा है। बड़ा तालाब, कोलार और कलियासोत डेम के लेवल में खासा इजाफा हुआ। कोलार डेम का जल स्तर 454 मीटर से बढ़कर 454.06 मीटर हो गया। जबकि सका फुल रिजर्वायर लेवल (एफआरएल) 462.20 मीटर है। इधर कलियासोत का लेवल 502.45 से बढ़कर 502.48 मीटर पर पहुंच गया। इसका एफआरएल 505.67 मीटर है। बड़े तालाब का लेवल 1659.90 फीट से बढ़कर 1660.10 फीट हो गया है। इसका एफटीएल 1666.80 फीट है।

मौसम केंद्र के मुताबिक समंदर से नमी लाकर बारिश करवाने वाली रेखा सीधी से गुजर रही है। लिहाजा बादल छाने के साथ ही कहीं हल्की, कहीं तेज बारिश की संभावना बनी रहती है।मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में भोपाल, इंदौर समेत प्रदेश के 30 से ज्यादा जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

मेट्रो एंकर

सिंधी मेला समिति का 17वां कुकिंग कॉम्पिटिशन 23, 25, 26, 27 जुलाई को

सिंधी परंपरा को जीवित रखना प्रतियोगिता का उद्देश्य : दरियानी

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो

राजधानी भोपाल की प्रमुख संस्था सिंधी मेला समिति इस वर्ष स्वाद, परंपरा और संस्कृति की थीम पर अपने 17वें कुकिंग कॉम्पिटिशन का आयोजन करने जा रही है। यह प्रतियोगिता 23, 25, 26 और 27 जुलाई को भोपाल के 21 से अधिक केंद्रों पर आयोजित की जाएगी, जिसका मुख्य उद्देश्य सिंधी व्यंजनों की समृद्ध परंपरा को जीवित रखना है।

इस आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए रविवार को ईदगाह हिल्स स्थित कबीर की कुटिया में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक

में सिंधी मेला समिति के सभी पदाधिकारी और समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी और महासचिव नरेश तलरेजा ने बैठक को संबोधित करते हुए बताया कि समिति समाज के हर वर्ग के लिए विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करती आ रही है। इसी कड़ी में, भोपाल की महिलाओं की पाक कला को प्रोत्साहित करने के लिए यह कुकिंग कॉम्पिटिशन आयोजित किया जा रहा है।

विजेता महिलाओं और प्रतिभाओं का सम्मान

प्रतियोगिता में चयनित महिलाओं को 2 अगस्त को मानस भवन में बेस्ट कुकिंग अवार्ड दिया जाएगा और सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार बांटे जाएंगे। इसके साथ ही, भारतीय सिंधु सभा और सिंधी मेला समिति 17 अगस्त को रवींद्र भवन में प्रतिभाशाली बच्चों को पुरस्कार वितरण करेगी। इस समारोह में उन बच्चों और युवाओं को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने शिक्षा, खेल, कला या किसी अन्य क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल कर समाज का गौरव बढ़ाया है। सम्मान समारोह केवल भोपाल ही नहीं, बल्कि पूरे मप्र से सिंधी समाज की प्रतिभाओं को एक मंच प्रदान करता है।

इन स्थानों पर होगा आयोजन

कुकिंग कॉम्पिटिशन का आयोजन भोपाल और नर्मदापुरम संभाग के विभिन्न स्थानों पर किया जाएगा, यह कॉम्पिटिशन संत हिरदाराम नगर, संत कंवर राम कॉलोनी, सिंधी कॉलोनी, टीलारामपुरा, बावड़िया कला, पंचवटी, विजय नगर, गांधीनगर, ईदगाह हिल्स, चुनाभट्टी, कोटरा सुल्तानाबाद, शक्ति नगर में होंगे।

यह मौजूद रहे : बैठक में अध्यक्ष मनीष दरयानी और महासचिव नरेश तलरेजा के साथ कन्हैयालाल दलवानी, घनश्याम पंजवानी, कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती माया पंजवानी, सह-संयोजिका भावना ललवानी, सह-संयोजक हरीश विधानी, सीमा सबनानी, सरला दलवानी और शकुन देवराखियानी सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सीएम डीपी वर्ल्ड और जेबेल अली फ्री जोन के अफसरों से मिले

भारत मार्ट व लॉजिस्टिक्स संभावनाओं पर दुबई में मंथन

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

सीएम मोहन यादव ने अपनी दुबई यात्रा के तीसरे और अंतिम दिन डीपी वर्ल्ड और जेबेल अली फ्री जोन के वरिष्ठ अधिकारियों से मिलकर भारत मार्ट परियोजना और उससे जुड़ी लॉजिस्टिक्स संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। यह बैठक भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को वैश्विक बाजार से जोड़ने की दिशा में एक पहल मानी जा रही है।

जानकारी के मुताबिक इस दौरान डीपी वर्ल्ड ने मध्यप्रदेश में- इनलैंड कंटेनर डिपो , मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क, कृषि-लॉजिस्टिक्स हब और ड्राय पोर्ट के विकास में गहरी रुचि दिखाई है। यह राज्य की लॉजिस्टिक्स और निर्यात नीति के अनुरूप है और सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से दीर्घकालिक अधोसंरचना विकास को मजबूती देने वाला कदम है।

मुख्यमंत्री यादव ने भारत मार्ट को वैश्विक व्यापार का प्रवेशद्वार बताते हुए कहा कि यह आधुनिक व्यापार केंद्र भारतीय उत्पादों, विशेष रूप से फूड प्रोसेसिंग, कृषि और हस्तशिल्प जैसे उत्पादों की मध्य पूर्व, अफ्रीका और यूरोप जैसे बाजारों तक सीधी पहुंच उपलब्ध कराएगा। भारत मार्ट 2026 में परिचालन में आएगा और 'लोकल से ग्लोबल' की नीति को नई दिशा देगा। मध्यप्रदेश से भारत मार्ट तक निर्बाध लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी बैठक में विशेष रूप से मध्यप्रदेश में डीपी वर्ल्ड द्वारा प्रस्तावित रेल टर्मिनल और उज्जैन-नागदा रूट को भारत मार्ट तक निर्बाध माल आपूर्ति का एक निर्णायक माध्यम बताया गया। यह लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी भारत से दुबई तक तेज, किफायती और सुगम माल परिवहन सुनिश्चित करेगी, जिससे राज्य के निर्यातकों को सीधा लाभ मिलेगा।

2.7 मिलियन फीट में मार्ट व फ्री जोन

उल्लेखनीय है कि भारत मार्ट, जेबेल अली फ्री ज़ोन (छ्व्रस्न्न), दुबई में लगभग 2.7 मिलियन वर्ग फुट में विकसित किया जा रहा एक बहुआयामी अंतरराष्ट्रीय व्यापार केंद्र है। इसकी आधारशिला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम द्वारा फरवरी 2024 में संयुक्त रूप से रखी गई थी। यह केंद्र डीपी वर्ल्ड द्वारा संचालित किया जा रहा है और इसमें 1500 से अधिक शोरूम, अत्याधुनिक गोदाम और कार्यालय सुविधाएं शामिल होंगी।

शालाओं के बच्चों द्वारा पौधारोपण में बालाघाट प्रदेश में प्रथम

भोपाल। पर्यावरण संरक्षण के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक बनाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शालाओं में दर्ज छात्र-छात्राओं के माध्यम से एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधे लगाने के निर्देश दिये गए हैं। शालाओं के बच्चों द्वारा पौधरोपण किए जाने के मामले में बालाघाट जिला मध्यप्रदेश में प्रथम स्थान पर है। कलेक्टर मृणाल मीणा के मार्गदर्शन में बालाघाट जिले में इस अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस अभियान में लगाए गए पौधो की सुरक्षा के साथ ही उनके फोटो माय लाइफ ऐप पर अपलोड करने के निर्देश दिये गए हैं। इस ऐप पर फोटो अपलोड करने के बाद विद्यालय के प्राचार्य द्वारा पौधे लगाने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किये जा रहे हैं। जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय ने बताया कि विभाग के निर्देशों के अनुरूप जिले की शालाओं में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं की सहभागिता से एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण किया जा रहा है। छात्र-छात्राओं द्वारा माँ के नाम पर शाला परिसर, अपने घर एवं खेतों में पौधे लगाए जा रहे हैं। बालाघाट जिले में 15 जुलाई तक इस अभियान के अंतर्गत 1255 शालाओं के छात्र-छात्राओं द्वारा 26 हजार 913 पौधे लगाये जा चुके है। इस ऐप पर दर्ज जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश में बालाघाट जिला शालाओं के बच्चों द्वारा पौधरोपण के मामले में प्रथम स्थान पर है, जबकि बैतूल जिला 1541 शालाओं के बच्चों द्वारा लगाए गए 25 हजार 324 पौधरोपण के साथ द्वितीय स्थान पर है।

एनसीटीई पाठ्यक्रम में प्रवेश में लिए भी अतिरिक्त चरण की समय सारणी जारी

पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आज से अतिरिक्त सीएलसी चरण

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के शासकीय और अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं निजी अशासकीय महाविद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 स्नातक कक्षाओं में प्रवेश के लिए यह अतिरिक्त सीएलसी चरण आज से 31 जुलाई तक आयोजित किया जा रहा है। विद्यार्थियों के लिए 16 जुलाई से प्रतिदिन प्रवेश पोर्टल पर महाविद्यालय वार रिक्त सीटों का प्रदर्शन किया जायेगा।

विद्यार्थी रिक्त सीटों पर सीधे महाविद्यालय में उपस्थित होकर प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। विद्यार्थी 16 जुलाई से प्रतिदिन अपराह्न 3 बजे तक पंजीयन/विकल्प चयन कर सकेंगे। हेल्प सेंटर द्वारा सायं 4 बजे तक प्राप्त आवेदनों का सत्यापन किया जाएगा और सायं 5 बजे मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी। मेरिट लिस्ट जारी होने के 24 घंटे के भीतर विद्यार्थियों को प्रवेश शुल्क जमा करना होगा। प्रवेश शुल्क जमा न किये जाने की स्थिति में प्रवेश मान्य नहीं होगा। विद्यार्थियों को निर्धारित अवधि में प्रवेश शुल्क जमा न करने की दशा में, पुनः रीचॉइस करनी होगी। अतिरिक्त सीएलसी चरण की यह प्रक्रिया 31 जुलाई तक ही होगी।

एनसीटीई पाठ्यक्रमों में प्रवेश में लिए समय सारणी

उच्च शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिये एनसीटीई पाठ्यक्रम (बी.एड., एम.एड., बी.पी.एड., एमपीएड, बीएड एमएड (एकीकृत तीन वर्षीय) एवं बी.एल.एड. तथा बी.एड. (अंशकालीन तीन वर्षीय) संचालित करने वाले शासकीय/अशासकीय महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए भी अतिरिक्त चरण की समय सारणी जारी की है। विद्यार्थी 15 से 18 जुलाई तक ऑनलाइन पंजीयन/आवेदन कर सकेंगे। पंजीकृत आवेदनों के दस्तावेजों का सत्यापन 15 से 19 जुलाई तक होगा। मेरिट सूची का प्रकाशन 21 जुलाई को होगा। विद्यार्थियों के लिए 23 जुलाई को सीट आवंटन किया जाएगा। आवंटित हेल्प सेंटर पर मूल दस्तावेजों, टीसी माइग्रेशन के साथ भौतिक सत्यापन के लिए विद्यार्थियों को उपस्थित होकर 23 से 25 जुलाई तक लिंक इनिशिएट कराना होगा। विद्यार्थियों को आवंटित महाविद्यालय में प्रवेश शुल्क का भुगतान 23 से 26 जुलाई तक करना होगा। आवंटित महाविद्यालय में शुल्क के भुगतान की अंतिम तिथि 26 जुलाई है। यह भी स्पष्ट किया गया है कि प्रवेश शुल्क का भुगतान किए गए आवेदकों का ही प्रवेश मान्य होगा।

यूजीसी ने महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विवि को श्रेणी-1 की स्वायत्तता दी

भोपाल। प्रदेश के चित्रकूट स्थित महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय को, श्विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा ÷श्रेणीबद्ध स्वायत्तता÷ अंतर्गत श्रेणी-1 की स्वायत्तता अर्जित करने की महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली है। इस उपलब्धि पर उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने उच्च शिक्षा विभाग एवं विश्वविद्यालय परिवार शुभकामनाएं एवं बधाई दी हैं। उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने कहा कि यह उपलब्धि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा उच्च शिक्षा की गुणवत्ता एवं उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे सतत् एवं व्यापक प्रयासों का प्रमाण है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सतत् नवीन आयाम स्थापित हो रहे हैं। राज्य सरकार, विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में गुणवत्तापूर्ण एवं रोजगार मूलक उच्च शिक्षा प्रदान करने की दिशा में प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उच्च शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थियों के समग्र विकास एवं प्रगति के साथ शैक्षणिक एवं अकादमिक स्तर पर गुणवत्ता की उत्कृष्टता के लिए उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है।

भोज विवि ने दिव्यांग गुरदीप कौर को किया सम्मानित

उच्च शिक्षा ग्रहण करने पर मुफ्त शिक्षा प्रदान करेगा भोज यूनिवर्सिटी

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

दिव्यांग गुरदीप कौर वासु को मध्यप्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. सुशील मंडेरिया ने पुष्पगुच्छ, शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया। साथ ही यह भी कहा कि अगर वह आगे की शिक्षा भोज विश्वविद्यालय से ग्रहण करेंगी तो उन्हें पूरी शिक्षा विश्वविद्यालय मुफ्त में प्रदान करेगा। दिव्यांग गुरदीप कौर मूक, बधिर एवं दृष्टिहीन दिव्यांग हैं। साथ ही वे इस श्रेणी में भारत की पहली दिव्यांग महिला हैं, जिन्होंने वाणिज्य कर विभाग में सरकारी नौकरी हासिल की है। सोमवार को गुरदीप कौर ने विश्वविद्यालय परिसर का भ्रमण किया। उन्होंने बीएड विशेष शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों के साथ अपनी सांकेतिक भाषा में संवाद किया। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक मीडिया निर्माण एवं शोध केंद्र में वीडियो साक्षात्कार कार्यक्रम में सम्मिलित हुईं।

लगन एवं दृढ़ इच्छा शक्ति से सरकारी नौकरी हासिल की?

इस मौके पर गुरदीप कौर की माता मंजीत कौर ने बताया कि, उनकी बेटी सुनने, बोलने एवं देखने में अक्षम होने बाद भी अपनी लगन एवं दृढ़ इच्छा शक्ति से सरकारी नौकरी हासिल की है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मंडेरिया ने गुरदीप कौर वासु को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। इस मौके पर गुरदीप कौर की मेंटर मोनिका पुरोहित, आनंद सर्विस सोसाइटी, इंदौर के सचिव ज्ञानेंद्र पुरोहित, विशेष शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ हेमंत केसवाल एवं ईएमपीआरसी के निदेशक डॉ नरेंद्र त्रिपाठी उपस्थित रहे।

दुग्ध संघ अफसरों ने कामकाज का ब्योरा विस अध्यक्ष को दिया

भोपाल। स्टेट कोआपरेटिव डेयरी फेडरेशन लिमिटेड के एमडी संजय गोवाणी ने विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर से मिलकर बोर्ड के कामकाज के बारे में जानकारी दी। उन्होंने एमपीसीडीएफ एवं दुग्ध संघों का प्रबंधन एवं संचालन हाथ में लेने के बाद दुग्ध संघों की योजनाओं और प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि दुग्ध संघों द्वारा दूध खरीद मूल्यों में वृद्धि की गई है, दुग्ध उत्पादकों को भुगतान महीने की 5 तारीख, 15 तारीख और 25 तारीख को किया जा रहा है। -सांची ब्राण्ड की विश्वसनीयता बनाये रखने के लिये ग्वालियर तथा जबलपुर दुग्ध संघों के दुग्ध उत्पादकों की लंबित राशियों का भुगतान किया गया है। इसके परिणाम स्वरूप ग्वालियर दुग्ध संघ और जबलपुर दुग्ध संघ का दुग्ध संकलन बढा है। सोमाणी ने बताया कि भोपाल दुग्ध संघ ने 628 नई दुग्ध सहकारी समितियों का गठन किया है। जिनके माध्यम से लगभग 15हजार दुग्ध उत्पादको को सहकारी डेयरी प्रणाली से जोड़ा गया।

मप्र मानव अधिकार आयोग में इंटर्नशिप कार्यक्रम

भोपाल। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग में प्रतिवर्ष संचालित होने वाले विधि संकाय के विद्यार्थियों के लिये एक माह की इंटर्नशिप सम्पन्न हुई। यह प्रशिक्षण 16 जून से प्रारंभ हुआ था। इंटर्नशिप में देश के प्रतिष्ठित विधि विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अध्ययनरत विधि संकाय के विद्यार्थियों को मानव अधिकार एवं आयोग की कार्य-प्रणाली सहित विभिन्न विषयों पर रिसोर्स पर्सन द्वारा प्रशिक्षण दिलाया गया। इंटर्नशिप में मुख्य रूप से महाराष्ट्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी नागपुर, कॅरियर कॉलेज ऑफ लॉ भोपाल, रेनेसां लॉ कॉलेज इंदौर, एलएनसीटी यूनिवर्सिटी भोपाल, के.सी. कॉलेज मुम्बई, ईश्वर सरन डिग्री कॉलेज इलाहाबाद प्रयाग, इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ भोपाल, पीआईएमआर डीएवीवी इंदौर, बरकतउल्लाह यूनिवर्सिटी, आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर, गवर्मेंट पीजी स्टेट लॉ कॉलेज भोपाल और भाभा यूनिवर्सिटी भोपाल के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

मेट्रो एंकर

पैरामेडिकल कॉलेजों को मिल सकती है खुशखबरी

तीन साल बाद मान्यता मिलने के आसार

दोहपर मेट्रो, भोपाल

मप्र के पैरामेडिकल कॉलेजों को अब तीन वर्ष बाद मान्यता मिलने जा रही है। मध्य प्रदेश पैरामेडिकल काउंसिल ने 2023-24 के सत्र के लिए 166 कॉलेजों को मान्यता के लिए चिह्नित किया है, इनमें 22 सरकारी हैं। बताया जाता है कि मान्यता के लिए 32 नए कॉलेजों की तरफ से भी आवेदन आए थे, जिनमें 15 निरीक्षण में उपयुक्त पाए गए हैं, पर अभी यह असमंजस है कि नए कॉलेज खुलेंगे या नहीं।

दरअसल, केंद्र सरकार ने साफ कहा है कि जब तक हमारी काउंसिल नहीं बन जाती नए कॉलेजों को मान्यता नहीं दी जाए। इस पर बीच का रास्ता निकालकर नए कॉलेजों की मान्यता के संबंध इसी सप्ताह शासन स्तर पर निर्णय होना है। इसके अतिरिक्त 24-25 के सत्र की मान्यता भी एक माह के भीतर जारी हो जाएगी। इसकी प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। केंद्र सरकार द्वारा हेल्थ केयर एलाइड साइंस कमीशन के गठन में देरी के चलते मान्यता उलझी हुई थी। कुछ राज्यों में पैरामेडिकल काउंसिल थी और कुछ में नहीं। सभी जगह पाठ्यक्रम भी अलग-अलग चल रहे थे। इसमें एकरूपता लाने के लिए केंद्र ने नेशनल कमीशन फार एलाइड साइंस एंड हेल्थ केयर प्रोफेशनल (एनसीएचपी) बनाया है। इसके बाद राज्यों की काउंसिल और चयन, भर्ती, यूजी और पीजी के लिए चार अलग-अलग बोर्ड बनने थे।

कमीशन बनने के बाद राज्यों ने भंग की काउंसिल

बताया जाता है कि कमीशन बनने के बाद राज्यों ने अपनी काउंसिल भंग कर दी, पर केंद्र के रेगुलेशन अभी तक तैयार नहीं हो पाए, इस कारण प्रदेश में शिक्षा सत्र 2023-24 और सत्र 2024-25 की मान्यता नहीं दी गई। मार्च में कैबिनेट ने प्रदेश की पैरामेडिकल काउंसिल को पुनर्जीवित करने का निर्णय लिया। अब नवंबर से 2025-26 का सत्र भी प्रारंभ होना है। इस तरह इस वर्ष तीन सत्रों के लिए कॉलेजों को मान्यता दी जानी है।

पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रदेश स्तर पर बोर्ड होगा। एक राज्य से डिग्री या डिप्लोमा करने वालों का दूसरे राज्यों में भी पंजीयन हो सकेगा। सभी राज्यों के पाठ्यक्रमों में एकरूपता आ जाएगी।

संपादकीय

कोलाहल के बीच अकेलापन

सूचनाओं का प्रवाह और संवाद के कई माध्यमों के बाद भी यदि कोई अकेला है तो बात गंभीर है। दरअसल जबसे संवाद के ढेरों माध्यम सामने आए हैं, तब से यह माना जाने लगा है कि मनुष्य अब अकेलापन महसूस नहीं करता होगा। इससे रिश्तों का ताना-बाना और मजबूत होगा। मगर हकीकतन ऐसा हुआ नहीं तथा मनुष्य खुद में सिमट कर रह गया। आसपास की भीड़ और आभासी दुनिया में बने सैकड़ों दोस्तों के बीच भी इंसान अकेला होता गया है। इसलिये यह समझने की जरूरत है कि इसकी वजह क्या है। यह दुखद है कि हम न अब किसी का दुख सुनना चाहते हैं और न अपनी कोई पीड़ा किसी से साझा करना चाहते हैं। ऐसे में जाने कितने शब्द अनसुने रह जाते हैं। तब अकेलापन एक ऐसा कड़वा अनुभव बन जाता है, जिसे एक समय के बाद मनुष्य धीरे-धीरे जीने लगता है और परिवार एवं समाज से कट जाता है। फिर वह ऐसी दिशा में चला जाता है, जहां से उसके लिए लौटना मुश्किल होता है। आज दुनिया का हर छठा इंसान इसी अकेलेपन का शिकार है। चिंता की बात यह है कि लाखों जिंदगियां इसके अंधकार में गुम हो जाती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की हाल की रपट के मुताबिक, अकेलापन हर वर्ष आठ लाख से अधिक लोगों की जान ले रहा है। यह कड़वी सच्चाई है कि लोग समाज से ही नहीं, घर-परिवार से भी कट गए हैं। आसपास क्या चल रहा, यह भी उन्हें पता नहीं होता। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक अकेलापन सभी लोगों को प्रभावित कर रहा है। मगर सबसे ज्यादा शिकार युवा हो रहे हैं। यह सच है कि हर किसी के जीवन में चुनौतियां पहले से कहीं अधिक बढ़ी हैं। कामकाज के दबाव के बीच व्यस्तता ने उन्हें थका दिया है। रिश्तों में जटिलताएं भी आई हैं। सोशल मीडिया के मंचों पर किसी के हजारों मित्र हो सकते हैं, लेकिन असल जिंदगी में किसी एक भरोसे के दोस्त को ढूंढ़ना मुश्किल हो जाता है। नतीजा यह कि अब ज्यादातर लोगों के मन में क्रोध, दुख और ईर्ष्या की भारी गठरी है। वे कभी इसकी गांठें खोल नहीं पाते। इसके साथ ही कई लोग अपनी महत्त्वाकांक्षाओं और नाकामियों के बोझ तले दब कर और भी अकेले पड़ते जाते हैं। ऐसे में सबसे जरूरी यह है कि सामाजिक जुड़ाव को सघन किया जाए। जब संवाद होगा, तो रास्ते भी निकलेंगे और कठिनाई भी दूर होगीं। यदि विवाद है मतभिन्नता है तो बीच के रास्ते भी बनेंगे और इससे अकेलापन भी निश्चित रूप से दूर होगा। समाज में दो वर्ग तो ऐसे हैं जिन्हें संवाद के लिये खूब प्रेरित करना जरूरी है। यह हैं युवा व बुजुर्ग, युवा आजकल मोबाइल फोन,लैपटाप,व्हाट्स एप जैसे न जाने कितने माध्यमों की कैद में हैं। इसके अलावा दस दस घंटे तक वर्क फ्राम होम के कल्चर ने भी युवाओ को दुनिया व सामाजिकता से काट दिया है। कई तरह की व्यवहारिकताओं का उनमें अभाव नजर आता है। दूसरी तरफ बुजुर्ग लोग अपने घर के अन्य सदस्यों की व्यस्तता या बच्चों के किसी और शहर या देश में बस जाने से अकेले हैं। उनके पास संवाद के लिए लोग नहीं बचे हैं,ऐसे में लोगों की अभिव्यक्ति की गुंजाइश नहीं बची हैं, पुराने वक्त के मोहल्ले,दोस्त,चौराहों पर गपशप या चौपालों पर बैठकें मौजूदा संवाद माध्यमों से ज्यादा कारगर थीं।

जीएसटी की 12 प्रतिशत स्लैब में बदलाव से उद्योग और आमजन को मिलेगी राहत

■ राजेंद्र प्रसाद शर्मा

वस्तु एवं सेवा कर यानी कि जीएसटी की चार स्लेबों में से दूसरी 12 प्रतिशत की स्लेब को लेकर जिस तरह की चर्चाएं आम हो रही है उससे मध्य व निम्न वर्ग में आशा का संचार होने लगा है। दरअसल समाज का मध्यम और निम्न वर्ग सबसे अधिक प्रभावित जीएसटी की 12 प्रतिशत वाली स्लेब से ही हो रहे हैं। इन वर्गों से जुडी वस्तुएं या सेवाओं पर लगने वाला कर सीधा सीधा इन्हें प्रभावित करता है। इसका कारण भी साफ है कि दैनिक उपभोग की अधिकांश वस्तुएं इसी स्लेब में आती है। खाने-पीने की वस्तुओं के साथ ही जूते-चप्पल, कपड़े आदि भी इसी स्लेब में आते हैं। हांलाकि विशेषज्ञों के अनुसार 12 प्रतिशत की स्लेब पर निर्णय से सरकार पर 40 से 50 हजार करोड़ रुपए के राजस्व का असर पड़ेगा पर यह भी माना जा रहा है कि बाजार में इन वस्तुओं की मांग बढ़ेगी और मांग बढ़ने से काफी मात्रा में राजस्व पूर्ति हो सकेगी। वैसे भी फ्री बीज के नाम पर बहुत कुछ जा रहा है तो फिर यदि बड़ी आबादी को राहत और लोकहित में कोई निर्णय किया जाता है तो वह अधिक लाभकारी होता है। हालांकि इस निर्णय के भी बिहार सहित अन्य राज्यों में होने वाले चुनावों से जोड़कर राजनीतिक अर्थ निकाले जाएंगे पर इस तरह के निर्णयों पर राजनीति करना उचित नहीं कहा जा सकता। जानकारों के अनुसार जीएसटी काउंसिल की आगामी बैठक में 12 प्रतिशत वाली स्लेब को या तो विलोपित करने पर विचार किया जा सकता है या फिर इसमें से आम उपभोग की वस्तुओं को पांच प्रतिशत की स्लेब के दायरें में लाया जा सकता है। 12 प्रतिशत की स्लेब को विलोपित किया जाता है तो इसके दायरें में आ रही वस्तुएं या सेवाएं 5 प्रतिशत की स्लेब दायरें में आने की अधिक संभावना हैं। यदि विलोपित भी नहीं की जाती है और आज की प्रचलित चार स्लेबों 5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत में से सीधे आम उपभोग की वस्तुओं और सेवाओं को नीचे वाली और शेष को अन्य स्लेबों में समायोजित किया जा सकता है। बढ़ती मंहगाई के कारण आम नागरिकों खासतौर से मध्य और निम्न मध्य वर्ग को राहत दिलाने के लिए इस पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

जीएसटी अप्रत्यक्ष कर प्रणाली होने के साथ ही समूचे देश में कर की एकरुपता के लिए 1 जुलाई 2017 को जीएसटी लागू की गई थी। देश में असम पहला प्रदेश था जिसने सबसे पहले जीएसटी को अपनाया। अब तो समूचे देश में जीएसटी व्यवस्था लागू हो चुकी है। अब तक जीएसटी काउंसिल की 57 बैठकें हो चुकी है और इनमें अनवरत रुप से सुधार व बदलाव किया जाता रहा है। 12 प्रतिशत के बदलाव की चर्चा छेड़कर बैठक से पहले ही बहस छेड़ दी गई है। इसे सकारात्मक भी माना जाना चाहिए क्योंकि जीएसटी स्लेबों के निर्धारत में राज्यों की भी प्रमुख भूमिका होती है। जीएसटी काउंसिल में राज्यों के प्रतिनिधि भी हिस्सा लेते हैं और उसी में निर्णय किया जाता है। जीएसटी से संग्रहित होने वाली राशि राज्यों को भी मिलती है तो समूचे देश में एक वस्तु पर एक ही दर लगने से अदायगी राशि एक ही होती है। जीएसटी यानी कि एक राष्ट्र एक कर की अवधारणा अटल बिहारी वाजपेई के प्रधानमंत्री काल में सामने आई थी। डॉ. विजय केलकर की अध्यक्षता में टास्क फोर्स का गठन हुआ। समान कर की बात तो सभी सरकारों द्वारा की जाती रही पर 1 जुलाई 2017 को यह व्यवस्था लागू हो सकी। हांलाकि आमनागरिकों की भारी मांग के बावजूद पेट्रोल-डीजल को अभी तक जीएसटी के दायरें में नहीं लाया जा सका है और इसका कारण भी बड़ा साफ है कि इसमें केन्द्र राज्यों की सभी सरकारों के हित जुड़े हुए हैं। पेट्रोल-डीजल के भाव बढ़ने और इस पर कितना कर लग रहा है इस पर तो पक्ष विपक्ष हल्ला तो बोल लेते हैं पर कभी जीएसटी के दायरें में लाने के सार्थक प्रयास नहीं कर पाये हैं।

समान कर प्रणाली की अवधारणा सबसे पहले फ्रांस में आई। 1954 में फ्रांस में जीन वेप्टिस्ट कालवर्ट जीएसटी की अवधारणा सामने लाये और इस समान कर प्रणाली की सकारात्मकता का ही परिणाम है कि दुनिया क 160 देशों में जीएसटी जैसी समान कर प्रणाली प्रचलन में है। हमारे देश में 12 प्रतिशत की स्लेब इसलिए महत्वपूर्ण हो जाती है कि दैनिक उपभोग की अधिकांश वस्तुएं इसी कर दायरें में आती है। एक हजार रु. से अधिक के कपड़े जूते से लेकर घी, तेल, मक्खन, डेयरी उत्पाद, सब्जियां, फल, मेवे सहित खाद्य पदार्थ, पेय पदार्थ, 20 लीटर पैक में पीने के पानी की बोतल, कॉटन हैण्ड बैग जूट का सामान, पत्थर और लकड़ी आदि की मूर्तियां, चश्मा, बच्चों की पेंसिल स्लेट, खेल का सामान, यहां तक कि क्लीन एनर्जी डिवाइस सहित बहुत सारी वस्तुएं इस दायरें में आती है। सीधी सी बात यह है कि यह वस्तुएं ऐशो-आराम की वस्तुएं तो है नहीं और कम से कम मध्यवर्गीय परिवार तो इन्हें खरीदता ही है तो निम्न वर्ग परिवार भी दूसरी कटौती या अपना पेट काटकर इन्हें खरिदता है। ऐसे में 12 प्रतिशत की स्लेब पर विचार निश्चित रुप से सकारात्मक संदेश देता है। बैसे भी 12 प्रतिशत की स्लेब को लेकर जो बहस छिड़ी है उसमें सकारात्मक पक्ष ही खुलकर सामने आया है और विशेषज्ञों ने इस स्लेब में किसी तरह के बदलाव को लेकर नकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है। ऐसे में आगामी जीएसटी काउंसिल की बैठक में 12 प्रतिशत की स्लेब में बदलाव करते हुए देश के बड़े वर्ग को राहत दी जाती है तो यह देश की अर्थ व्यवस्था को राहत देने वाला, एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने वाला और आम जन के हित का निर्णय होगा। क्योंकि इस स्लेब के अधिकांश उत्पाद एमएसएमई सेक्टर द्वारा ही तैयार किए जाते हैं और स्लेब में बदलाव होने से इन वस्तुओं की मांग बढ़ेगी और इससे सेक्टर में ग्रोथ के साथ ही लोगों को राहत मिल सकेगी।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

आज का इतिहास

16 जुलाई: भारत के समाज सुधार आंदोलनों का सबसे बड़ा दिन

देश-दुनिया के इतिहास में 16 जुलाई की तारीख तमाम अहम वजह से दर्ज है। इस तारीख का भारत के समाज सुधार आंदोलनों में बहुत महत्व है। एक तरह से यह ऐसे आंदोलनों का सबसे बड़ा दिन है। देश में 16 जुलाई, 1856 को समाज सुधारकों के भगीरथ प्रयास के बाद ऊंची जाति की विधवाओं को पुनर्विवाह करने की अनुमति मिली। इससे पहले हिन्दुओं में ऊंची जाति की विधवाएं दोबारा विवाह नहीं कर सकती थीं। तत्कालीन ब्रितानी हुकूमत से इस कानून को लागू करवाने में समाजसेवी ईश्वरचंद विद्यासागर का महती योगदान दिया। उन्होंने विधवा विवाह को हिन्दुओं के बीच प्रचलित करने के लिए अपने बेटे का विवाह एक विधवा से कराया।

- 1661: स्वीडिश बैंक ने यूरोप में पहला नोट जारी किया।
- 1856: हिंदू विधवाओं के पुनर्विवाह को कानूनी मान्यता मिली।
- 1890: पार्किंसन नाम के एक डॉक्टर ने पार्किंसन बीमारी के बारे में अपनी जांच पूरी की। उन्हीं के नाम पर बीमारी का नाम पार्किन्सन्स रखा गया।
- 1893: काशी नागरी प्रचारिणी सभा की स्थापना।
- 1905: बागेरहाटर (अब बांग्लादेश) में एक जनसभा में ब्रिटिश सामान के बहिष्कार के प्रस्ताव को पहली बार मंजूरी दी गई।
- 1925: इराक में राजा फैसल ने बगदाद में पहली संसद स्थापित की।
- 1925: नेशनल जियोग्राफिक ने पहली बार समुद्र के भीतर के दृश्यों की प्राकृतिक रंगीन फोटो निकाली।
- 1945: अमेरिका ने परमाणु बम का पहला परीक्षण किया।
- 1951: नेपाल को ब्रिटेन से आजादी मिली।
- 1969: इनसान को चांद पर पहुंचाने की पहली कोशिश के तहत अमेरिका के केप केनेडी स्टेशन से अपोलो-11 अंतरिक्ष यान तीन अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर रवाना हुआ।
- 1990: यूक्रेन ने स्वतंत्रता की घोषणा की।
- 1999: जॉन एफ कैनेडी के पुत्र जॉन एफ. कैनेडी जूनियर की विमान दुर्घटना में मृत्यु।
- 2001: जैक्स रोगे (बेल्जियम) अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक समिति के आठवें अध्यक्ष बने।
- 2002: पराग्वे में आपातकाल की घोषणा।
- 2003: पाकिस्तान, सऊदी अरब और 53 अन्य इस्लामी देश, इजराइल को 2005 तक मान्यता देने पर राजी।
- 2004: चीन ने उत्तरी चीन के सबसे बड़े तटीय शहर त्यानचिन में पहला ऑनलाइन वायु सुरक्षा अभ्यास किया।
- 2006: संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कोरिया पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पारित।
- 2007: बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजिद धन वसूली के मामले में गिरफ्तार।
- 2008: ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर ने गाजा क्षेत्र की अपनी प्रस्तावित यात्रा रद्द की।
- 2008: अमेरिका ने अगले पांच साल के लिए पाकिस्तान को साढ़े सात अरब डॉलर की असैनिक मदद के लिए विधेयक पेश किया।
- 2011: भारत में पिछले एक दशक में गांवों की तुलना में शहरी आबादी ढाई गुना से भी अधिक तेजी से बढ़ी।
- 1896: प्रसिद्ध मजदूर नेता और नार्वे के राजनीतिज्ञ ट्रीगवी ली का जन्म दिवस।
- 1909: भारतीय स्वतंत्रता सेनानी अरुणा आसफ अली का जन्म दिवस।
- 1937: कांग्रेस नेता आरके धवन।
- 1968: भारत के प्रसिद्ध हॉकी खिलाड़ी धनराज पिल्लै का जन्म दिवस।
- निधन
- 2005: प्रसिद्ध कन्नड़ नाटककार के. वी. सुबन्ना का निधन हुआ।
- 2017: सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री नर बहादुर भंडारी का निधन।
- 2021: भारतीय अभिनेत्री सुरेखा सीकरी का निधन हुआ।

ड्रोन प्रौद्योगिकी स्वास्थ्य उपचार में जगीं नई उम्मीदें

■ दीपिका अरोड़ा

कार्यक्षेत्र के आधार पर अपेक्ष्य अनूठी क्षमताओं तथा विशेषताओं को संज्ञान में रखते हुए विशिष्ट अनुप्रयोगों तथा उद्योगों के लिए तैयार 'ड्रोन' अपनी बहु-उपयोगिता के चलते विविध क्षेत्रों में ख़ासी लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं। दरअसल, ड्रोन तकनीक को उद्योग जगत में सर्वाधिक मान्यता इसकी विविधता के कारण मिली है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, संचार नेटवर्क तथा कंप्यूटिंग प्रौद्योगिकियों में प्रगति के कारण ड्रोन उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है। हालांकि, शुरुआती दौर में इसका उपयोग सीमा नियंत्रण, टोही मिशन तथा लक्ष्य ट्रैकिंग आदि के मद्देनज़र बहुधा सैन्य क्षेत्र तक ही सीमित रहा किंतु जैसे ही अन्य क्षेत्रों को इसके व्यापक अनुप्रयोगों के बारे ज्ञात हुआ तो उन्होंने अविलंब ड्रोन तकनीक अपनाना आरम्भ कर दिया।सैन्य निगरानी व हमलों में प्रयुक्त किए जाने वाले रिमोट कंट्रोल अथवा स्वायत्त प्रणालियों द्वारा निर्देशित ड्रोन अब मानव रहित विमान (यूएवी) के तौर पर आधुनिक युद्ध पद्धति में पसंदीदा हथियार बनकर उभर रहे हैं। वहीं कृषि, मीडिया, फ़िल्म निर्माण उद्योग जैसे अन्य अनेक क्षेत्रों में भी इनका वर्चस्व बराबर बढ़ा है।

कृषि क्षेत्र में ड्रोन का महत्व देखें तो महज़ 15 मिनट में ये लगभग 2.5 एकड़ भूमि पर कीटनाशकों का छिड़काव करने का सामर्थ्य रखते हैं। इनका उपयोग जहां कृषि गतिविधियों जैसे फ़सल निगरानी, भूमि मानचित्रण, कीट पहचान, कीटनाशक छिड़काव तथा सटीक सिंचाई आदि के लिए किया जाता है, वहीं इसके माध्यम से किसान अपने मवेशियों पर भी निरंतर नज़र बनाए रख सकते हैं। थर्मल सेंसर तकनीक खोये जानवर खोजने से लेकर उन्हें लगी चोट या बीमारी का पता लगाने में मददग़ार बनती है। कृषि बीमा क्षेत्र तक कुशल व भरोसेमंद आंकड़ों के लिए एग्री ड्रोन पर विश्वास जताते हैं। भारतवर्ष में ड्रोन स्टार्टअप का आविष्कार, ड्रोन-प्लांटिंग सिस्टम जहां लागत लगभग 85 प्रतिशत तक घटा देता है, वहीं स्थिरता व दक्षता अपेक्षाकृत बढ़ा देता है। पर्यावरण निगरानी गतिविधियों जैसे- वन्यजीव ट्रैकिंग, वन मानचित्रण, प्रदूषण आकलन तथा जलवायु अनुसंधान में भी ड्रोन का उपयोग तेज़ी से बढ़ा है। बाढ़, भूकंप, जंगल की आग आदि सहित आपदा प्रबंधन परिदृश्यों में भी ड्रोन लाइव फीड प्रदान करने, पीड़ितों का पता लगाने तथा सहायता पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संरचनात्मक सुरक्षा बढ़ाने तथा बुनियादी ढांचे की निगरानी करने वाले ड्रोन मैनुअल ज़ोख़िम घटाने में भी सहायक बनते हैं।मीडिया तथा फिल्म निर्माण में गतिशील लाइव इवेंट कवरेज तथा सिनेमाई हवाई दृष्टिकोण प्रदान करने हेतु ड्रोन व्यापक रूप से प्रयुक्त किए जाते हैं। अनेक कंपनियां अपने गोदाम से ग्राहकों के दरवाज़े तक सीधी पहुंच बनाने के उद्देश्य से डिलीवरी ड्रोन विकसित कर रही हैं।

हाल ही में ड्रोन की गतिशीलता के दृष्टिगत किया गया पायलट अध्ययन स्वास्थ्य उपचार की दिशा में आशा की एक नई किरण लेकर आया है। आपातकालीन चिकित्सा परिस्थितियों में रक्त एवं रक्त-घटकों का समय रहते उपलब्ध होना किसी उपचाराधीन व्यक्ति के लिए संजीवनी बन सकता है।

हाल ही में ड्रोन की गतिशीलता के दृष्टिगत किया गया पायलट अध्ययन स्वास्थ्य उपचार की दिशा में आशा की एक नई किरण लेकर आया है। आपातकालीन चिकित्सा परिस्थितियों में रक्त एवं रक्त-घटकों का समय रहते उपलब्ध होना किसी उपचाराधीन व्यक्ति के लिए संजीवनी बन सकता है। भारतवर्ष जैसे बड़े देश की विविध क्षेत्रीय भौगोलिक विभिन्नता का जायज़ा लें तो सड़क मार्ग द्वारा समयानुकूल आपूर्ति होने में शंकाएं बनी रहती हैं। उखड़ती सांसों के लिए प्रतिक्षण के महत्व को भांपते हुए वैज्ञानिकों ने दिल्ली तथा एनसीआर के तीन संस्थानों; लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, ग्रेटर नोएडा के गवर्नमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज तथा जेपी इंस्टिट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ने साथ मिलकर एक अध्ययन किया, जिसमें ड्रोन तकनीक का प्रयोग चुनौती के प्रभावी समाधान के रूप में उभर कर सामने आया।

विशेषज्ञों के तहत, दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में किए गए इस अध्ययन के दौरान ड्रोन ने लगभग 36 किलोमीटर की दूरी मात्र आठ मिनट में तय कर ली, जबकि पारंपरिक वैन को यही दूरी तय करने में 55 मिनट का समय लगा। अध्ययन में कुल 60 ब्लड बैग्स का उपयोग किया गया; जिसमें पूर्ण रक्त, पैक्ड रेड ब्लड सेल्स, फ्रेश फ्रोज़न प्लाज्मा तथा प्लेटलेट्स शामिल थे। ड्रोन व वैन दोनों द्वारा भेजे गए इन नमूनों की बाद में उनके जैव-रासायनिक मानकों की तुलना करने पर परिणाम सकारात्मक ही रहे। अध्ययन की निष्पक्षता एवं विश्वसनीयता बनाए रखने हेतु नमूनों की गुणवत्ता जांचने के लिए 'डबल ब्लाइंड' पद्धति अपनाई गई। वैज्ञानिकों की मानें तो भविष्य में यह तकनीक वैक्सीन, इमरजेंसी ड्रग्स तथा सर्जिकल उपकरणों की आपूर्ति में भी उपयोगी हो सकती है। इससे ग्रामीण व दूरगामी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना सरल हो जाएगा।

आईसीएमआर तथा साझेदार संस्थाओं की यह पहल, निस्संदेह, आने वाले वर्षों में स्वास्थ्य वितरण प्रणाली में बड़ा बदलाव लाएगी। निश्चय ही, प्रत्येक क्षेत्र में नित्य नई क्रांति ला रहे ड्रोन हमारे काम करने के तरीके बदलकर असंभव को संभव बना रहे हैं।

(साभार : यह लेखक के निजी विचार हैं)

जितना ही कम ज्ञान होता है उतनी ही अच्छी नींद आती है।
- मेक्सिम गोर्की

निशाना

मजा नहीं पर आता !

बन गई मैं सांसद ।
मजा नहीं पर आता ।।
काम ये अब आगे ।
मुझको नहीं लुभाता ।।
सड़क, गली और नाली ।
देखना बस काम ।।
समस्याएं और बहुत ।
लें किसका हम नाम ।।
हुआ शायद मोहभंग ।
लग रहे कयास ।।
बात इमानदारी से ।
सुंदर भी प्रयास ।।
करना है यदि सेवा ।
पड़ता भी तपाना ।।
बोल दिया स्पष्ट ।
क्यों कहना बचकाना ।।

- कृष्णेन्द्र राय

गिरनार पर्वत पर प्रशासन की मनमानी के खिलाफ जैन समाज में आक्रोश

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

गुजरात के जूनागढ़ स्थित गिरनार पर्वत की पांचवीं टोंक जहां जैन धर्म के 22 वे तीर्थंकर भगवान नेमिनाथ स्वामी की निर्वाण स्थली पर पूरे भारत वर्ष से लगभग 50 हजार श्रद्धालु निर्वाण लाडू चढ़ाने पहुंचे थे। लेकिन पुलिस प्रशासन ने पूरे देश से आए श्रद्धालुओं को उनके पूजा के अधिकार से वंचित रखते हुए हिटलर शाही वाला रवैया अपनाया और श्रद्धालुओं को भगवान के जयकारा बोलने, द्रव्य चढ़ाने और निर्वाण लड्डू चढ़ाने पर रोक लगा दी। राष्ट्र निर्माण में सहयोगी एवं शांति प्रिय जैन समाज के लोगों की पुलिस द्वारा 10 से अधिक स्थानों पर चैकिंग की गई।

वहीं महिलाओं के साथ अभद्रता की घटना भी घटित हुई। भारत सरकार की पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग तथा गुजरात सरकार गजेटियर दोनों में स्पष्ट रूप से प्रमाणित किया है कि गिरनार पर्वत की पांचवी टोंक मूलतः जैन तीर्थ है और गुजरात उच्च न्यायालय ने वर्ष 2005 में स्पष्ट आदेश दिया है। कि पांचवी टोंक पर कोई भी नया निर्माण न किया जाए। फिर भी गिरनार पर्वत पर तीव्र गति से अवैध निर्माण किया गया। ज्ञापन के माध्यम से सकल जैन समाज एवं जैन मिलन की सभी शाखाओं के प्रतिनिधियों एवं महिला मंडल ने मिलकर एक ज्ञापन तहसीलदार अरविंद यादव को सौंपकर गुजरात सरकार से मांग की है , कि भारत सरकार के पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग और राज्य सरकार के गजेटियर के आदेश का पालन सुनिश्चित किया जाए एवं अवैध रूप से स्थापित दत्तात्रेय मूर्ति को हटाया जाए एवं गिरनार पर्वत की पांचवी टोंक को संरक्षित जैन राष्ट्रीय धरोहर घोषित किया जाए।

वहीं अल्पसंख्यक जैन समाज के हितों की रक्षा करते हुए सरकार अपना दायित्व निभाते हुए जैन तीर्थ गिरनार पर हो रहे अवैध कब्जों को हटाकर समाज को पूजा के अधिकार प्रदान करें।

सड़कों पर मवेशियों की वजह से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने कड़े निर्देश

सड़कों पर गौवंश छोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करें : कलेक्टर

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सड़कों पर गौवंश के बैठे रहने से वाहन दुर्घटनाओं की संभावनाओं एवं गौवंश की मृत्यु को रोके जाने के संबंध में कलेक्टर सोनिया मीना ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर ने जिला पंचायत सीईओ, नगर पालिका निगम, समस्त एसडीएम, एनएचएआई, एमपीआरडीसी, उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं, सभी जनपद पंचायत सीईओ एवं नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में पशुपालक एवं ग्रामीण जनों को जागरूक करें कि वे अपने गौवंश को सड़कों पर न बैठने दें।

कलेक्टर ने कहा कि पशुपालकों एवं प्रशासन के समन्वित प्रयास से जनहानि के साथ-साथ पशुहानि को भी प्रभावी रूप से रोका जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जो पशुपालक गौवंश को सड़कों पर विचरण के लिए छोड़ देते हैं, उनके विरुद्ध नियमानुसार जुर्माना एवं वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने निर्देश दिये कि मुख्य मार्गों के समीप स्थित ग्राम पंचायतों द्वारा अस्थाई चौकीदारों की व्यवस्था की जाए ताकि निराश्रित पशुओं को सड़क पर बैठने से रोका जा सके एवं समीपस्थ गौशालाओं अथवा अस्थाई आश्रय स्थलों में उन्हें भेजा जा सके। कलेक्टर ने पशुपालन विभाग को भी गौवंश में रोगों की रोकथाम हेतु टीकाकरण कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी गौशालाओं को सक्रिय रखा जाए तथा उनमें चारे-पानी की समुचित व्यवस्था हो। राजमार्गों एवं सड़कों पर बैठने वाले गौवंश को टोल संचालक अथवा स्थानीय निकायों द्वारा पशुवाहन या हाइड्रोलिक कैटल लिफ्टिंग व्हीकल अथवा अन्य उचित वाहनों से निकटतम गौशाला तक पहुँचाया जाए।

जीर्ण-शीर्ण भवनों को हटाने की कार्रवाई सतत जारी

कलेक्टर द्वारा दिए गए निर्देशों के परिपालन में नगर पालिका परिषद इटारसी द्वारा नगर क्षेत्र में चिन्हित जीर्ण-शीर्ण भवनों को डिस्मेंटल करने की कार्रवाई निरंतर जारी है। जिससे नगरीय क्षेत्रों में दुर्घटनाओं की संभावनाओं को रोका जा सके। इसी क्रम में नगरीय क्षेत्र इटारसी स्थित सिंधी प्राथमिक शाला के जर्जर भवन को तोड़ा गया तथा अन्य चिन्हित जीर्ण-शीर्ण भवनों को भी नियमानुसार हटाया गया। संपूर्ण कार्रवाई नगर पालिका परिषद इटारसी के अमले द्वारा प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में की गई। कार्रवाई के दौरान अनुविभागीय अधिकारी इटारसी श्री टी. प्रतिक राव, तहसीलदार श्री शक्ति तोमर, मुख्य नगर पालिका अधिकारी इटारसी रितु मेहरा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर सुश्री मीना द्वारा गत दिवस अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि जिले में स्थित जर्जर भवनों में जीर्ण-शीर्ण घोषित किये गये भवनों का चिन्हांकन कर समयबद्ध कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार की दुर्घटना न हो।

फसलों के जोखिम से बचने किसान कराएं फसल बीमा : मीना

नर्मदापुरम। फसलों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान जोखिमों की भरपाई हेतु भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना संचालित है, जिसमें ऋणी तथा अऋणी दोनो ही प्रकार के किसान अपनी अधिसूचित फसलों का अधिसूचित क्षेत्र हेतु बीमा करा सकते है। किसान इस वर्ष बोई गई खरीफ फसलों का बीमा 31 जुलाई 2025 तक संबंधित बैंको/समितियों के माध्यम से करा सकते हैं। जिले की प्रमुख खरीफ फसल धान सिंचित हेतु 945 रूपये प्रति हेक्टर, धान असिंचित हेतु 651 रूपये प्रति हेक्टर, सोयाबीन-766 रूपये प्रति हेक्टर, मक्का-693 रूपये प्रति हेक्टर, तुअर हेतु 716 रूपये प्रति हेक्टर की बीमा प्रीमियम राशि निर्धारित है। किसान उक्तानुसार बीमा प्रीमियम राशि का भुगतान कर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में सम्मिलित होकर फसलों में आने वाले जोखिम की भरपाई कर सकते हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत जिले में खरीफ वर्ष 2025 में धान सिंचित, धान असिंचित, सोयाबीन, मक्का व तुअर पटवारी हल्का स्तर: पर अधिसूचित है। कृषक इस बात का विशेष ध्यान रखें कि उनके पटवारी हल्का में अधिसूचित फसलों की प्रीमियम राशि बैंक द्वारा काटी जावे। यदि बैंक द्वारा गैर अधिसूचित फसलों हेतु बीमा प्रीमियम राशि काटी गई है तो किसान बैंक से संपर्क कर त्रुटि सुधार करा लेंवे। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना विगत वर्षों से स्वैच्छिक कर दी गई है, ऐसी स्थिति में जिन किसानों को फसलों का बीमा नहीं कराना है, ऐसे किसान बीमांकन की अंतिम तिथि से 07 दिवस पूर्व अर्थात 24 जुलाई 2025 तक बैंक को निर्धारित प्रपत्र में सूचित कर देवे कि वे इस वर्ष वे योजना में सम्मिलित: नहीं होना चाहते है। कलेक्टर ने किसानों से अपील की है कि अधिसूचित क्षेत्र के अऋणी कृषक: अपनी अधिसूचित फसलों का बीमा अपने संबंधित बैंक/लोकसेवा केंद्र एवं निर्धारित बीमा कंपनी के प्रतिनिधि के माध्यम से स्वैच्छिक रूप से करा सकते है। अऋणी कृषकों हेतु आवश्यक दस्तावेज तथा फसल बीमा प्रस्ताव फार्म आधार कार्ड व मोबाईल नंबर (आधार कार्ड अनिवार्य है। अन्य पहचान पत्र शासन: द्वारा मान्य दस्तावेज, वोटर आईडी कार्ड, राशन कार्ड पेन कार्ड, समुग्र आई डी. ड्रायविंग लाईसेंस) भू-अधिकार पुस्तिका, बोनी प्रमाण पत्र अनिवार्य रहेगा।

इसके साथ ही राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा जागरूकता अभियान चलाकर ग्रामीणों को सतत रूप से अवगत कराया जाए। दुर्घटनाओं की संभावना को कम करने के लिए गौवंश के गले में रेडियम युक्त रिफ्लेक्टिव टेप लगाने के निर्देश भी दिए गए हैं। कलेक्टर ने संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंच, सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायकों को भी इस कार्य में सक्रिय रहने के निर्देश दिए हैं एवं कहा कि उपरोक्त कार्यवाही का प्रतिवेदन तीन दिवस के भीतर जिला कार्यालय को प्रेषित किया जाए।

नशे से दूरी है जरूरी अभियान में दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा 15 जुलाई से 30 जुलाई तक नशा मुक्ति के संबंध में जागरूकता अभियान पूरे प्रदेश में चलाया जा रहा है।

देहात थाने में एसडीओपी के निर्देशन में थाना प्रभारी मनोज दुबे रक्षा समिति के प्रांतीय संयोजक दीपक तिवारी की उपस्थिति में नशा मुक्ति अभियान के तहत नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। नगर चौराहा पर नुक्कड़ सभा की गई एवं प्रमुख क्षेत्र में रैली निकाली गई। इस अवसर पर रक्षा समिति के वरिष्ठ एवं जागरूक सक्रिय सदस्य के साथ नगर के गणमान्य नागरिक नीरज मिश्रा, सतीश दुबे, डॉ अशोक रोहिले, लायंस क्लब के अध्यक्ष विजय अरोरा ,फुटकर व्यापारी संघ के अध्यक्ष नरेंद्र जैन, दीपक जोशी ,बलराम यादव, हैमंत व्यास,लकी सोनी ,रवि कुशवाहा,संदीप शर्मा, संजय खटीक , ऋतिक केवट नारायणी कुशवाहा कलाबाई , प्रीति पंथी आदि उपस्थित थे

मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत स्वरोजगार के लिए कोलेटरल फ्री लोन की सुविधा उपलब्ध

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

प्रदेश के शिक्षित युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिये मध्यप्रदेश शासन, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग द्वारा मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना प्रारंभ की गई है। योजनान्तर्गत युवाओं को स्वयं का उद्योग (विनिर्माण)/सेवा/व्यवसाय उद्यम स्थापित करने हेतु बैंकों के माध्यम से कम ब्याज दर पर कोलेटरल फ्री लोन प्राप्त किये जाने हेतु परियोजना लागत राशि रूपये 50 हजार से राशि रूपये 50.00 लाख तक की परियोजना प्रस्तुत की जा सकती है। इसी प्रकार सेवा/खुदरा व्यवसाय क्षेत्र की इकाइयां स्थापित किये जाने हेतु परियोजना लागत राशि रूपये 50 हजार से राशि रूपये 25.00 लाख तक की परियोजना प्रस्तुत की जा सकती है। उक्त योजना हेतु आवेदक मध्यप्रदेश का मूल निवासी होना चाहिये। आवेदक की शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम कक्षा 8वीं उत्तीर्ण, आयु सीमा 18 से 45 वर्ष, परिवार की वार्षिक आय राशि रूपये 12.00 लाख से अधिक नहीं होना चाहिये। आवेदक स्वयं किसी बैंक अथवा किसी वित्तीय संस्था का डिफाल्टर नहीं होना चाहिये। यदि आवेदक का परिवार आयकरदाता है तो उसकी पिछले तीन वर्षों की आयकर विवरणिका (Income Ta& Return) प्रस्तुत करनी होगी। आवेदक वर्तमान में राज्य अथवा केन्द्र सरकार की किसी अन्य स्वरोजगार योजना का हितग्राही नहीं होना चाहिये। योजनान्तर्गत सभी वर्ग के हितग्राहियों को बैंक द्वारा वितरित ऋण Term Loan & Working Capital Loan पर 03 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अनुदान, अधिकतम 07 वर्षों तक (मोरेटोरियम अवधि सहित) दिया जावेगा। योजनान्तर्गत ब्याज अनुदान की राशि प्रतिपूर्ति (Reimbursement) के रूप में त्रैमासिक आधार पर प्रदान की जावेगी। योजना में गारंटी फीस (CGTMSE) प्रचलित दर पर अधिकतम 07 वर्षों तक (मोरेटोरियम अवधि सहित) शासन द्वारा प्रदान की जावेगी। महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, नर्मदापुरम द्वारा बतलाया गया, कि उक्त् योजनान्तर्गत आवेदन ऑनलाईन आमंत्रित हैं।

लगातार हो रही बारिश से फसलें हुईं तबाह किसानों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

ग्राम पंचायत बड़वासा के किसानों ने भारी बारिश से खराब हुई सोयाबीन, मक्का और उड़द की फसलों का सर्वे कर मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर सोमवार को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को एक ज्ञापन सौंपा। किसानों ने बताया कि इस वर्ष खरीफ सीजन में बोई गई फसलों का अंकुरण तो सही ढंग से हुआ, लेकिन लगातार हो रही भारी बारिश से खेतों में जलभराव हो गया, जिससे फसलें सड़कर बर्बाद हो गई हैं।

ज्ञापन में किसानों ने मांग की है कि राजस्व व कृषि विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर फसल नुकसान का शीघ्र सर्वे कराए और मुआवजा की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाए, जिससे प्रभावित किसानों को आर्थिक राहत मिल सके। ज्ञापन देने वालों में ग्राम के अनेक किसान उपस्थित रहे, जिनमें रामराजसिंह, भगवानसिंह,सुरेन्द्रसिंह, हाकमसिंह,सत्येंद्रसिंह, सचिन, प्रतापसिंह,विजय सिंह, रामबाबू, दिनेश सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल थे। किसानों ने प्रशासन से जल्द से जल्द सर्वे एवं राहत कार्य शुरू करने की अपील की है।

निशक्तजन विद्यालय के 50 स्टूडेंट्स का एनीमिया परीक्षण

नर्मदापुरम। भारत विकास परिषद नर्मदापुरम शाखा द्वारा भविष्य विशेष निशक्तजन विद्यालय के 50 छात्र, छात्राओं का एनीमिया परीक्षण ब्लड नमूने प्रकाश मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल के तत्वाधान में लिए गए। डॉ.बसंत जोशी के चिकित्सा दल के सदस्यों संजय व्यास,अवधेश राजपूत एवं सुश्री शिवांगी देवदे द्वारा नमूने लिए गये। इस अवसर पर शाखा के संरक्षक डी एस दांगी सहित शाखा अध्यक्ष वंदना शर्मा,सचिव नलिन पटेल, संस्कार प्रमुख अमर ज्योति भदौरिया,पर्यावरण प्रमुख भरत प्रकाश भदौरिया, मीना तोमर जया चौहान, शैल चौहान आदि उपस्थित रहे। सभी बच्चों को फल एवं टॉफी का वितरण किया गया। इस प्रकार का स्वास्थ्य परीक्षण प्रतिमाह किया जाएगा । इस अवसर पर निशक्त बच्चों द्वारा आगामी गणेशोत्सव के लिए मिट्टी से निर्मित की गई । गणेश प्रतिमाओं का भी शाखा पदाधिकारियों द्वारा अवलोकन कर बाजार में उचित मूल्य पर विक्रय कराए जाने हेतु सार्थक पहल किए जाने का आश्वासन भी दिया ।

शिव भक्ति शर्मा ने किया कावड़ यात्रियों का स्वागत

नर्मदापुरम। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी भाजपा नेता एवं शिव भक्त राजो मालवीय के नेतृत्व में नर्मदा का जल लेकर कावड़ यात्रा पचमढ़ी की ओर रवाना हुई। मालाखेड़ी के आगे शिवनंदनी पेट्रोल पंप पर शिव भक्त आर के शर्मा एवं स्टाफ के सदस्यों द्वारा कांवड़ यात्रा का स्वागत किया गया। शर्मा द्वारा सभी कावड़ यात्रियों को स्वल्पाहार कराया गया। इस अवसर पर अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

सीसी सड़क और नाली निर्माण के लिए तहसील पहुंचे रहवासी

गंजबासौदा। रजोदा रोड वार्ड 21 के रहवासियों ने तहसील पहुंचकर एसडीएम को एक ज्ञापन सौंपा है जिसमें कहा गया है कि हम सभी रजौदा रोड वार्ड 21 के रहवासी हैं। हम जहां निवास करते हैं वहां पर न तो सड़क है और न ही नाली है। जिसके कारण बारिश के समय में गलियों में कीचड़ हो जाती है जिससे निकलने में लोगों को परेशानी होती है। सबसे ज्यादा परेशानी छोटे बच्चों और बुजुर्गो को होती है कई बार गलियों में कीचड़ होने के कारण कई लोग गिरकर घायल भी चुके हैं। वहीं बारिश के समय में जगह जगह पानी भरा होने के कारण मच्छर पनप रहे हैं जिससे बीमारियों फैलने का डर है। रहवासियों ने प्रशासन से शीघ्र गली में सीसी और नाली निर्माण की मांग की है। ज्ञापन में वार्ड के महिला पुरुष मौजूद थे।

मैट्रो एंकर वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने बनाया प्लान, बारिश के पूरे सीजन में टीम करेगी निगरानी

बारिश के मौसम में 8 किशोर बाघों को शिकारियों से बचाना चुनौती

विशाल रजक तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

टाइगर स्टेट मध्य प्रदेश में बाघ आमतौर पर शिकारियों के निशाने पर होते हैं। बाघों को बचाने के लिए वन विभाग तरह-तरह की कोशिश करता है लेकिन चालाक शिकारी मौका पाकर बाघों का शिकार करने से नहीं चूकते हैं. खासकर मानसून का मौसम शिकारियों को काफी मददगार होता है। जब एक बाघिन मां अपने किशोर होते बाघों को जंगल में खुले में घूमने को छोड़ देती है और अपने संरक्षण से मुक्त कर देती है। ऐसे में मानसून के वक्त बाघों की नई पीढ़ी को काफी खतरा होता है।

प्रदेश के सबसे बड़े टाइगर रिजर्व वीरांगना रानी दुर्गावती (नौरादेही) टाइगर रिजर्व में 8 किशोर बाघों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं माना जा रहा है कि इस सीजन में जो बाघिन मां है, इन 8 किशोर बाघों को अपने से दूर कर देगी। इस लिहाज से देखा जाए, तो देश और दुनिया में टाइगर स्टेट के रूप में मशहूर मध्य प्रदेश के सभी टाइगर रिजर्व के किशोर बाघ खतरे में हैं।

एक तरफ जहां मध्य प्रदेश को बाघों की संख्या के चलते टाइगर स्टेट का दर्जा हासिल है, तो दूसरी तरफ मध्य प्रदेश में ही पिछले 6 महीनों में सबसे ज्यादा बाघों की मौत के मामले सामने आए हैं हालांकि इन बाघों की मौत की वजहें अलग-अलग हो सकती हैं लेकिन पिछले 6 महीने में मध्य प्रदेश में 29 बाघों की मौत हुई है. जिनमें व्यस्क, किशोर और शावक सभी शामिल हैं. इसके बाद महाराष्ट्र में 28 बाघों की मौत हुई. कुल मिलाकर देश भर में पिछले 6 महीने में 107 बाघों की मौत हो चुकी है जहां तक प्रदेश के सबसे बडे टाइगर रिजर्व नौरादेही टाइगर रिजर्व की बात करें, तो इसे बने हुए अभी महज 2 साल हुए हैं। नौरादेही टाइगर रिजर्व जब सेंचुरी हुआ करती थी, तब ही इसे 2018 में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण परियोजना में शामिल किया गया था और 2019 में यहां बाघिन राधा और बाघ किशन को छोड़ा गया था। बाघिन राधा और बाघ किशन ने महज 6 सालों में यहां बाघों की संख्या 23 पहुंचा दी थी. इन 23 बाघों में से 8 बाघ अभी किशोर अवस्था में हैं जिनमें एन -111 के 4 और एन -112 के 4 बाघ शामिल हैं. माना जा रहा है कि अब दोनों बाघिन इन किशोर होते बाघों को संरक्षण से मुक्त कर देंगी।

शिकारियों के लिए बारिश का मौसम मुफीद

जानकारों की माने तो बारिश में जंगल में काफी हरियाली और छिपने के लिए अच्छी जगह होने के कारण शिकारियों की नजर वन्यप्राणियों के शिकार पर होती है। शिकारियों की लिस्ट में पहले स्थान पर बाघ ही होते हैं। दरअसल जंगल में बारिश के चलते कई रास्ते बंद हो जाते हैं और कई ऐसी जगहें होती हैं जहां टाइगर रिजर्व प्रबंधन को पेट्रोलिंग और दूसरे कामों में परेशानी आती है। दूसरी तरफ शिकारियों को छिपने, फंदा लगाने के लिए एक तरह से खुला मैदान मिल जाता है. ऐसे में टाइगर रिजर्व प्रबंधन के लिए मानसून का सीजन काफी चुनौती भरा होता है

आमरण अनशन पर बैठे पीड़ित की बिगड़ी तबियत, फिर भी नहीं हटे

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर के वार्ड 12 के निवासी लक्ष्मण रैकवार वार्ड की अव्यवस्थाओं के खिलाफ तारादेही गिड्डे पर आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं जिसके बाद दोपहर में तबियत बिगड़ गई लेकिन वो अपने अनशन से नहीं उठे। उन्होंने कहा कि अनशन पर बैठने से पहले ही इसकी सूचना एसडीएम एवं मुख्य नगर परिषद अधिकारी तेंदूखेड़ा को 27जून को पत्र के माध्यम से दे दी गई थी। जिसमें उन्होंने वार्ड की समस्या का विवरण किया था और समाधान नहीं होने पर आमरण अनशन पर बैठने की बात कही गई थी। दरअसल वार्ड में स्ट्रीट लाइट और सड़कों की बड़ी समस्या है। नाली नहीं होने से लोगों के घरों में पानी भर रहा है। बिजली के पोल बहुत दूर दूर है जिससे सर्विस लाइन खीचने में बड़ी दिक्कत होती है।

आरोपियों से 60 लीटर शराब जब्त

खंडवा। दोपहर मेट्रो

एसपी मनोज कुमार राय के निर्देशन में अवैध शराब विक्रेताओं के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए आरोपी लवकेश पिता फत्तुलाल मालवीय निवासी ग्राम धनगाँव थाना जावर के कब्जे से 4 प्लास्टिक के डब्बों में भरी 60 लीटर अवैध कच्ची शराब 9000 रूपये की जप्त कर आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट का अपराध कायम कर विवेचना मे लिया गया। इसके अलावा थाना पंधाना के आरोपी सचिन पिता राधेश्याम गायकवाड उम्र 29 साल निवासी ग्राम घाटाखेड़ी के कब्जे से 05 लीटर कच्ची हाथ भट्टी महुआ शराब कीमती 250 रूपये की जप्त की गई। आरोपी दिनेश पिता अनोखी गोलकर भील उम्र 42 साल निवासी बोरगांव के कब्जे से 10 लीटर कच्ची हाथ भट्टी महुआ शराब कीमती 1000रूपये की जप्त की गई।

खबर का असर: राजस्व रिकॉर्ड में हुए फर्जीवाड़े का किया था खुलासा

जमीन की हेराफेरी मामले में प्रशासन ने जिम्मेदार पटवारी को किया निलंबित

सिवनी मालवा। दोपहर मेट्रो

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सिवनी मालवा के आदेश पर ग्राम झाझबीड़ा के पटवारी को निलंबित कर दिया गया है। गौरतलब है कि 2 जून को दोपहर मेट्रो में प्रकाशित खबर को प्रशासन ने संज्ञान में लेकर ये कार्यवाही की है। ऐसे कई मामले हैं जो सिवनी मालवा के राजस्व विभाग के रिकॉर्ड में दर्ज हैं। चाहे हम बात करें पूर्व में हुए आदिवासी ग्रामों में कलेक्टर के फर्जी सील साइन से आदिवासियों की जमीनों की रजिस्ट्री कर खरीदी बिक्री हो या फिर इसी गांव की आदिवासी से खरीदी जमीन तहसील में कंप्यूटर ऑपरेटर का काम करने वाले रोहित की। ऐसे कई मामले हैं जो एक बड़ी जांच का विषय बने हुए हैं। ऐसा ही एक मामला सामने आया था शिवपुर- तहसील में। यहां बानगी ग्राम लुचगांव का खसरा नम्बर 98/1 देखने पर पता चली।

उक्त खसरा जब वर्ष 2024/25 का निकाला गया तो उसमें खसरा नंबर 98/1 कुल रकबा 7.6900 लगभग 18

अनुविभागीय अधिकारी का आदेश

दोपहर मेट्रो में 2 जून को प्रकाशित खबर

एकड़ ध्रुव नारायण नाबालिग बली जगदीश और चंदा नाबालिग बली जगदीश के नाम 1/2 भाग दर्ज होता है।

लेकिन वर्ष 2025/26 में उक्त खसरे का रकबा तो उतना ही रहता है लेकिन एक और नाम सूरज पिता जगदीश जोड़ दिया जाता है और 1/3 भाग तीनों को दे दिया जाता है

इस मामले की जांच के बाद कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सिवनी मालवा के पत्र क्रमांक 1376/रीडर/अ.वि.अ./2025 सिवनी मालवा 08 जुलाई 2025 के द्वारा सचिन जयसवाल ग्राम झाझबीडा पटवारी हल्का नम्बर 80,81 को कारण बताओ नाटिस जारी किया गया था। इसमें दोपहर मेट्रो द्वारा गड़बड़ी का खुलासा किए जाने का उल्लेख था। न्यायालय नायब तहसीलदार के 27 जून 2006 को एवं 10 दिसंबर 2006 के आदेश अनुसार भू अभिलेख अद्यतन खसरे में लिया हुआ हैं। जबकि आरसीएमएस पोर्टल पर केवल खाली कागज अपलोड किया गया है। वहीं संशोधन पंजी निकलवाने पर पता चला की पंजी के साथ छेड़छाड़ कर वर्ष 2016 के पारिवारिक व्यवस्था पत्र में अलग से सूरज पिता जगदीश का नाम जोड़ा गया है। सवाल है कि जब उस समय नाम जोडा गया तो 10 वर्षों तक खसरे में नाम क्यों नहीं आया और अलग नाम लिखने की क्या जरूरत थी।

उक्त के संबंध में सचिन जायसवाल द्वारा अपने जबाव में बताया गया कि सक्षम अधिकारी के माध्यम से आवेदक द्वारा तीनों पुत्रों सूरज, धवनारायण एवं चंदा नाबालिक जगदीश के नाम बटवारा किया गया था किन्तु तात्कालिन पटवारी द्वारा आदेश अमल करते समय त्रुटि से एक पुत्र सुरज का नाम छोड़ दिया गया था। उपरोक्त भूमि परिवारिक एवं खानदानी है एवं सभी अपने अपने भाग पर अलग अलग काश्त करते चले आ रहे हैं। मौके पर झगडे की स्थिति निर्मित ना हो इसलिये मेरे द्वारा सदभावना पूर्वक नाम जोडा गया है। सचिन जायसवाल पटवारी ग्राम लुचगांव पटवारी हल्का नंबर ह.नं. 80,81 के जबाव से असहमत होते हुये एवं उक्त कृत्य म.प्र. सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 3 (एक) (दो) (तीन) का स्पष्ट उल्लघन होकर म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के प्रवाधानों के अंतर्गत दंण्डनीय होने से जयसवाल को म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 (1) (क) के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कानूनगो शाखा तहसील कार्यालय सिवनी मालवा रहेगा

पड़ताल : ऐसे सामने आई हकीकत

1. न्यायालय नायब तहसीलदार के प्रकरण क्रमांक 0008/अ-27/2005-06 आदेश 10/12/2006 के अनुसार भू-अभिलेख अद्तन खसरे में लिखा हुआ था जब इसकी जाँच की गई तो पता चला की जब यह आदेश किया गया तब आरसीएमएस नहीं था और अपलोड केवल खाली कागज किया गया है
2. वहीं संशोधन पंजी निकलवाने पर पता चला कि पंजी के साथ छेड़छाड़ कर वर्ष 2016 के पारिवारिक व्यवस्था पत्र में अलग से सूरज पिता जगदीश का नाम जोड़ा गया है लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जब उस समय नाम जोड़ा गया था तो दस वर्षों तक खसरे में नाम क्यों नहीं आया और अलग से नाम लिखने की जरूरत क्यों पड़ी। जिससे लगता है कि मिलीभगत से किसी व्यक्ति विशेष को लाभ पहुँचाने की नियत से यह सब किया गया था।

पटवारी का फर्जीवाड़ा, समिति के नाम की जमीन

टीकमगढ़। निवाड़ी जिले के पृथ्वीपुर में आदिवासी की जमीन फर्जी तरीके से शिक्षा समिति के नाम दर्ज कराने का मामला सामने आया है। जिसमें दो एकड़ के करीब जमीन नाम करने की अनुंशसा पटवारी के द्वारा की गई है। जांच में सामने आया कि तहसीलदार ने इस जमीन को वापस भू-स्वामी के नाम दर्ज करने की अनुशंसा की है। फर्जी आदेश पर जमीन को जनसेवा शिक्षा समिति के नाम दर्ज करने वाले पटवारी के विरूद्ध कार्रवाई करने की बात प्रशासन ने कही है। फर्जीवाड़ा करने वाला पटवारी अब रिटायर हो चुका है। दरअसल, पृथ्वीपुर में फर्जी तरीके से एक आदिवासी की जमीन जनसेवा शिक्षा समिति के नाम पर ट्रांसफर की गई थी। इस मामले में कला कुशवाहा ने जिला प्रशासन के साथ सीएम तक को शिकायत की थी। मुख्यमंत्री कार्यालय से यह मामला प्रशासन के पास आने पर पृथ्वीपुर एसडीएम सतीश वर्मा ने इसकी जांच तहसीलदार को दी थी। जांच पूरी होने के बाद तहसीलदार ने अपना प्रतिवेदन एसडीएम को सौंपा था।

उफनती नदी में डूबता युवक झाड़ियों के सहारे बचा

बालाघाट। वैनगंगा नदी में मछली पकड़ने गया एक युवक तेज बहाव में बह गया। लगभग 100 मीटर तक बहने के बाद, उसने झाड़ियों को पकड़कर अपनी जान बचाई। रेस्क्यू टीम ने तत्परता दिखाते हुए रस्सी की मदद से उसे सुरक्षित बाहर निकाला।

सांप से खिलवाड़ पड़ा महंगा

गले में सांप लटकाकर घूम रहा था, डसने से हुई मौत

गुना। जिले में एक स्नैक कैचर को जहरीले कोबरा से खिलवाड़ करना महंगा पड़ गया और उसे अपनी जान गंवानी पड़ी। कोबरा को पकड़ने के बाद स्नैक कैचर गले में कोबरा सांप को डालकर बाइक पर घूम रहा था। इसी दौरान घर लौटते वक्त गले में लिपटे कोबरा सांप ने स्नैक कैचर को डस लिया। सांप के काटने पर तुरंत स्नैक कैचर को अस्पताल में भर्ती कराया गया लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। गुना जिले के राघौगढ़ क्षेत्र के बरबटपुरा गांव के रहने वाले दीपक महावर सांप पकड़ने का काम करते थे। दीपक ने कई सांपों का रेस्क्यू किया लेकिन उनकी एक लापरवाही उनके लिए जानलेवा बन गई। दरअसल दीपक ने एक जहरीले कोबरा सांप का रेस्क्यू किया था और वो उसे पकड़ने के बाद गले में डालकर बाइक से घूम रहा था। इसी दौरान घर लौटते वक्त जहरीले सांप ने दीपक को डस लिया। सांप के डसने से दीपक की तबीयत बिगड़ने लगी जिसके कारण परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

दुष्कर्मी फूफा को राजीनामे के बाद भी कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

सीहोर। दोपहर मेट्रो

दुष्कर्म के एक मामले में न्यायाधीश ने ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए कहा कि मासूम बच्चियों के साथ दुष्कर्म जैसी घटनाएं समाज में भय और असुरक्षा का माहौल बनाती हैं और ऐसे अपराधियों को कठोर सजा मिलनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार के अपराधों को रोकने में मदद मिले। सीहोर में दुष्कर्म के मामले में सातवीं कक्षा की मासूम भतीजी के साथ रिश्तों को तार-तार कर करने वाले फूफा ने परिजनों से राजीनामा कर लिया था, लेकिन कोर्ट ने इस

घटना को गंभीर मानते हुए फूफा को कोई रियायत नहीं देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। पॉक्सो न्यायालय की विशेष न्यायाधीश सुनीता सिंह ठाकुर ने इस मामले के दौरान यह फैसला सुनाया कि ऐसे अपराधों के प्रति कोई दया नहीं बरती जानी चाहिए। खासकर जब निर्दोष बच्चियों की जिंदगी पर इसका बुरा असर पड़ता है। न्यायाधीश ने कहा कि मासूम बच्चियों के साथ दुष्कर्म जैसी घटनाएं समाज में भय और असुरक्षा का माहौल बनाती हैं और ऐसे अपराधियों को कठोर सजा मिलनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार के अपराधों को रोकने में मदद मिले। यह फैसला न केवल पीड़िता के लिए न्याय है, बल्कि यह उन सभी परिवारों के लिए भी एक संदेश है जो इस तरह की घटनाओं से गुजरते हैं। न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि बच्चों के प्रति इस प्रकार की करतूत करने वालों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए, ताकि समाज में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

ये था पूरा घटनाक्रम

विशेष लोक अभियोजक केदार सिंह कौरव ने मामले की पैरवी की। उन्होंने बताया कि मामला 17 अक्तूबर 2023 का है। पीड़िता ने थाना बुधनी में उपस्थित होकर रिपोर्ट की कि उसकी माता गुजरात रहती हैं। 17 अक्तूबर को उसके फूफा घर आये और उसे बहला फुसलाकर ले गए। इसके बाद रास्ते में जंगल में रात करीब 9 बजे मोटर साइकिल रोक दी और शराब पीने लगे और पीड़िता को भी जबरन शराब पिलाई। फिर पीड़िता की मर्जी के खिलाफ उसके साथ जबरदस्ती दुष्कर्म किया और पीड़िता को उसके घर छोड़ दिया। पीड़िता ने दादी को उक्त घटना की जानकारी दी और थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस अनुसंधान पश्चात अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया। सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों में राजीनामा हो गया था। इसके बाद भी न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया।

16 पेटी शराब जब्त, एक गिरफ्तार

सागर। मोतीनगर पुलिस ने एक कार से 16 पेटी अवैध शराब जब्त की है। मामले में एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है। मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह राजपूत ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि नरयावली तरफ से कार में शराब सागर लाई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम ने अमावनी के पास घेराबंदी की। पुलिस ने कार को रोककर जांच की तो उसमें 16 पेटी अवैध शराब, जिसकी अनुमानित कीमत 81 हजार रुपए मिली। पुलिस ने अवैध शराब जब्त कर आरोपी को आबकारी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

मेट्रो एंकर

समीक्षा बैठक में चैक बाउंस के सभी मामलों में पुलिस प्राथमिकी दर्ज कराने के दिए निर्देश

राजस्व वसूली की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने में जुटा नगर निगम

खंडवा दोपहर मेट्रो

नगर निगम खंडवा के सभागार में आयुक्त प्रियंका राजावत के नेतृत्व में एक विस्तृत समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें निगम के विभिन्न विभागों से संबंधित विषयों पर गहन चर्चा की गई। बैठक में सहायक आयुक्त सुप्रिया मेड़ा, कार्यपालन यंत्री राधेश्याम उपाध्याय, वर्षा घिडोड़े सहित निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। आयुक्त द्वारा राजस्व वसूली की स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया गया कि एक विस्तृत रोडमैप तैयार कर उसे कड़ाई से लागू किया जाए, जिससे राजस्व वसूली की प्रक्रिया अधिक प्रभावी और पारदर्शी बन सके। विशेष रूप से यह कहा गया कि यदि कोई करदाता चेक देता है और वह बाउंस हो जाता है, तो उस पर कार्यवाही (कोर्ट केस) शुरू की जाए।आयुक्त द्वारा हर विभाग की समीक्षा के दौरान स्पष्ट निर्देश दिए गए कि लाभार्थियों की प्रोफाइलिंग का कार्य पूर्णतः 100 फीसदी शीघ्रता से किया जाए।

हरित महोत्सव: 20 हजार पौधरोपण का लक्ष्य

आयुक्त ने निर्देश दिए कि योजना बनाकर शहर में लगभग 20 हजार पौधे रोपण का कार्य किया जाए। इसके लिए निगम की खाली भूमि और रोड साइड, गार्डन क्षेत्रों की सूची बनाकर पौधरोपण कराया जाए। नागरिकों की भागीदारी को अधिकतम बनाने की बात कही गई। भवन अनुमति के संदर्भ में भी यह निर्देश दिया कि निजी संपत्तियों में कम से कम 20 पौधे, व्यावसायिक संपत्तियों में कम से कम 100 पौधे लगाना अनिवार्य किया जाए।

संजीवनी क्लीनिक के शेष दो केंद्रों की निविदा सात दिवस में करें पूरी

संजीवनी क्लीनिक योजना की समीक्षा करते हुए आयुक्त ने निर्देश दिए कि शेष 2 क्लीनिक की टेंडर प्रक्रिया को आगामी 7 दिनों के भीतर पूर्ण किया जाए। नगर निगम क्षेत्र में मौजूद लेगेसी वेस्ट की स्थिति पर चर्चा करते हुए निर्देशित किया गया कि सर्वे रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत की जाए ताकि निपटान की कार्यवाही प्रारंभ हो सके। नवीन निगम कार्यालय भवन को ग्रीन बिल्डिंग प्रमाणित कराने, निर्माणाधीन निगम कार्यालय को ग्रीन बिल्डिंग प्रमाण दिलाने के लिए विशेष जोर दिया गया। आयुक्त ने कहा कि इसके मापदंडों की जानकारी जुटाकर इस दिशा में तत्काल कार्य शुरू किया जाए। वर्षा ऋतु की शुरुआत के साथ ही मच्छर जनित बीमारियों की संभावना को देखते हुए प्रतिदिन फॉगिंग कराए जाने के निर्देश दिए गए ताकि मलेरिया और डेंगू से नागरिकों को बचाया जा सके।

स्वच्छ शौचालय पर दी गई जानकारी

खंडवा। महापौर अमृता अमर यादव एवं निगमायुक्त प्रियंका राजावत के मार्गदर्शन में नगर पालिक निगम खंडवा द्वारा चलाए जा रहे सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत निगम की टीम एवं स्वच्छता दूतों ने विभिन्न वार्डों में घर-घर जाकर नागरिकों को स्वच्छता के महत्व की जानकारी दी। इस अभियान के अंतर्गत नागरिकों को विशेष रूप से जागरूक किया गया। लोगों को बताया गया कि कचरा खुले में न फेंके, घर के आसपास पानी जमा न होने दें और नियमित रूप से अपने घर व मोहल्ले की सफाई करें। इससे डेंगू, मलेरिया जैसी मच्छरजनित बीमारियों से बचाव संभव है। सही तरीके से हाथ धोने के 6 स्टेप्स को डेमो के माध्यम से बताया गया ताकि संक्रमण से बचा जा सके। सार्वजनिक और निजी शौचालयों की नियमित सफाई व उपयोग को लेकर लोगों को प्रेरित किया गया। इसके साथ ही नागरिकों को बताया गया कि स्वच्छता सिर्फ नगर निगम की नहीं, हम सभी की जिम्मेदारी है। बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को विशेष रूप से इस अभियान में शामिल कर जागरूकता फैलाई जा रही है।

लॉर्ड्स की हार से मैनचेस्टर में सबक लेगी टीम इंडिया

बदलेगी प्लेइंग 11... करुण नायर होंगे बाहर, बुमराह-पंत पर सस्पेंस?

मैनचेस्टर , एजेंसी

लॉर्ड्स में 22 रन से मिली हार को टीम इंडिया एक कड़ा सबक मानकर मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड ग्राउंड में खेलने उतरेगी। जहां भारत-इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट 23 जुलाई से होना है। टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल को अपनी प्लेइंग 11 में बदलाव कर सकते हैं, क्योंकि इंग्लैंड का बॉलिंग अटैक अगले टेस्ट में उसी लेवल का दबाव बनाएगा। ऐसे में टीम इंडिया की प्लेइंग 11 को लेकर मैनचेस्टर टेस्ट में बदलाव संभव है। शुभमन गिल ने हार के बाद स्पष्ट कहा कि ऋषभ पंत रन-आउट नहीं होते, तो भारत को 70-80 रन की बढ़त मिल सकती थी और टीम को पांचवें दिन की मुश्किल पिच पर लगभग 200 रन का पीछा नहीं करना पड़ता।

हालांकि भारतीय टीम के टॉप ऑर्डर का दूसरी पारी में वैसा प्रदर्शन नहीं रहा, जिसकी उनसे उम्मीद की गई थी। यशस्वी जायसवाल 0, करुण नायर 14, कप्तान गिल 6 पर आउट हुए। जब करुण नायर 193 रनचेज करते हुए 14 रनों पर आउट हुए तो टीम इंडिया का स्कोर 41 था। इसके बाद भारतीय टीम के विकेट लगातार गिरते गए।

33 साल के करुण को और कितने मौके?

33 साल के करुण नायर मौजूदा सीरीज में अब तक 6 पारियों में सिर्फ 131 रन बना सके हैं। इस दौरान उनका एवरेज 21।83 रहा है। जो एक मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज के लिए काफी कम माना जा रहा है। लीड्स टेस्ट में करुण को निचले क्रम में बैटिंग का मौका मिला, लेकिन जब उन्हें अगले दो टेस्ट में तीसरे नंबर पर आजमाया गया, तो वह उस मौके का फायदा नहीं उठा सके। उनकी बल्लेबाजी में वह ठहराव और भरोसा नहीं दिखा जिसकी टीम को दरकार थी। लॉर्ड्स टेस्ट की दूसरी पारी में जब टीम को एक स्थिर साझेदारी की जरूरत थी, करुण नायर ने अपना विकेट ऐसे गंवा दिया मानो उन्होंने गेंदबाज को गिफ्ट दे दिया हो। गेंद को छोड़ने की कोशिश में वे एलबडब्ल्यू हो गए, और इसी के साथ भारत की पारी डगमगाने लगी। हेड कोच गौतम गंभीर ने सीरीज से पहले साफ कहा था कि करुण जैसे अनुभवी खिलाड़ी को ज्यादा मौके दिए जाएंगे। लेकिन करुण नायर, गंभीर की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए।

क्या बुमराह खेलेंगे अगला टेस्ट?

लॉर्ड्स मैच के बाद शुभमन गिल ने कहा था- ऋषभ स्कैन के लिए गए थे। उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं है, इसलिए वह मैनचेस्टर टेस्ट के लिए फिट रहने चाहिए। हालांकि गिल ने यह स्पष्ट नहीं किया कि जसप्रीत बुमराह मैनचेस्टर टेस्ट में उपलब्ध रहेंगे या नहीं। अगर बुमराह नहीं खेलते हैं तो अर्शदीप सिंह उनका एक विकल्प बन सकते हैं। 2025 में पंजाब किंग्स के लिए अर्शदीप ने 17 मैच खेलकर 21 विकेट चटकाए थे। अर्शदीप ने अब तक टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू नहीं किया है। वह भारतीय टीम के लिए 9 वनडे और 63 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं, जहां उनके नाम क्रमशः 14 और 99 विकेट हैं। ऐसे में देखना होगा कि भारतीय टीम की प्लेइंग 11 मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में बदलेगी या फिर बुमराह को एक बार फिर वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया जाएगा। करुण नायर को एक और मौका मि?लेगा या नहीं, यह भी देखना होगा।

वैभव सूर्यवंशी का शानदार फॉर्म जारी

इंग्लैंड अंडर-19 के खिलाफ टेस्ट में ठोका अर्धशतक

केंट , एजेंसी

केंट में चल रहे इंग्लैंड अंडर-19 बनाम भारत अंडर-19 के पहले युवा टेस्ट में 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने एक बार फिर धूम मचा दी है। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 39 गेंदों में अर्धशतक जड़कर भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान आयुष म्हात्रे के शतक की बदौलत 540 रन बनाए। हालांकि वैभव सूर्यवंशी पहली पारी में कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए और 13 गेंदों में तीन चौकों की मदद से केवल 14 रन ही बना पाए। इस बीच इंग्लैंड ने जवाब में 439 रन बनाए जिससे भारत अंडर-19 को 101 रनों की बढ़त मिल गई। 14 वर्षीय वैभव ने दूसरी पारी में कहर बरपाया और 39 गेंदों में 9 चौकों और एक छक्के की मदद से ताबड़तोड़ अर्धशतक जड़ा। आर्ची वॉन द्वारा बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को आउट करने के बाद सूर्यवंशी आखिरकार पवेलियन लौट गए। बहरहाल, स्टंप्स तक भारत 239 रनों की बढ़त बना चुका है और पहला युवा टेस्ट जीतने की प्रबल संभावना है।

वैभव के लिए यादगार रहा दौरा

14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के लिए यह दौरा यादगार रहा है क्योंकि यह खिलाड़ी इंग्लैंड में हर मैच का पूरा फायदा उठा रहा है। भारत के इस सलामी बल्लेबाज ने 5 पारियों में 355 रन बनाए जिसमें एक शतक और युवा वनडे में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड शामिल है। मौजूदा टेस्ट सीरीज की बात करें तो पहली पारी में उनके प्रदर्शन के बाद आलोचकों ने सूर्यवंशी की लाल गेंद की फॉर्म पर सवाल उठाए थे, लेकिन 14 वर्षीय खिलाड़ी ने दूसरी पारी में अर्धशतक जड़कर संदेहों को शांत कर दिया, जिससे इस युवा खिलाड़ी का आत्मविश्वास बढ़ा। सूर्यवंशी न सिर्फ बल्ले से बल्कि गेंद से भी धूम मचा रहे हैं।

महिला वनडे विश्व कप, पाकिस्तान टीम नहीं करेगी यात्रा

आगाज से पहले इंग्लैंड-न्यूजीलैंड से अभ्यास मैच खेलेगे टीम इंडिया

नई दिल्ली। भारत इस साल सितंबर-अक्तूबर में अपनी और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले महिला वनडे विश्व कप से पहले बंगलूरू में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा। पाकिस्तान अपने अभ्यास मैच और विश्व कप मैच दोनों श्रीलंका में खेलेगा। यह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आपसी सहमति से तय किया है।

भारतीय टीम पहला अभ्यास मैच बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र के मैदान पर 25 सितंबर को इंग्लैंड के साथ खेलेगी। दूसरा अभ्यास मैच विश्वकप शुरू होने से

तीन दिन पहले 27 सितंबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ चिन्नास्वामी स्टेडियम में न्यूजीलैंड के साथ खेलेगी। पाकिस्तान केअभ्यास मैच 25 और 28 सितंबर को कोलंबो में श्रीलंका और श्रीलंका की ए टीमों के साथ होंगे। पचास ओवरों का विश्वकप 12 साल बाद भारतीय उपमहाद्वीप में हो रहा है। यह 30 सितंबर से दो नवंबर तक पांच शहरों बंगलूरू, गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम और श्रीलंका के कोलंबो में खेला जाएगा।

अभ्यास मैचों का कार्यक्रम

25 सितंबर : बंगलूरु - बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस-1 मैदान पर भारत बनाम इंग्लैंड, एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका बनाम न्यूजीलैंड। कोलंबो - कोलंबो क्रि केट क्लब में श्रीलंका बनाम पाकिस्तान, आर प्रेमदासा स्टेडियम में बांग्लादेश बनाम श्रीलंका ए।

27 सितंबर: बंगलूरु - बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस-1 मैदान पर ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारत बनाम न्यूजीलैंड। कोलंबो - कोलंबो क्रिकेट क्लब में श्रीलंका बनाम बांग्लादेश।

28 सितंबर: बंगलूरु - बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस-1 मैदान पर दक्षिण अफ्रीका बनाम भारत ए। कोलंबो - कोलंबो क्रिकेट क्लब में पाकिस्तान बनाम श्रीलंका ए।

पंजाब सरकार से गुहार लगाने पहुंचे एथलीट राजपाल सिंह

पदकों को लगा ढेर , पर नौकरी नहीं!

चंडीगढ़ , एजेंसी

पंजाब राज्य सरकार से नौकरी मिलने की उम्मीद में एथलीट राजपाल सिंह मंगलवार को पंजाब विधानसभा गैलरी में पहुंचे। राजपाल सिंह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक खेलों में 82 पदक जीत चुके हैं, लेकिन उन्हें एक अदद नौकरी के लिए आज भी सरकार से गुहार लगानी पड़ रही है।

राजपाल चाहते हैं कि उन्हें खेल कोटा के तहत नौकरी मिले। उन्होंने समाचार एजेंसी आईएएनएस से कहा, ÷मैं जब पांचवीं क्लास में था, तभी से मेहनत कर रहा हूं। पिछली सरकारों ने मेरी सुनवाई नहीं की। मैंने जब ट्रायल क्लीयर किया, तो उसमें रिश्वत मांगी गई। मैंने आर्मी और पंजाब पुलिस में ट्रायल दिया, लेकिन बात नहीं बन सकी।÷ उन्होंने कहा, ÷मेरा सेलेक्शन अमेरिका गॉट टैलेंट के लिए हो चुका है। मैं एक उंगली से 105 किलोग्राम वजन उठाता हूं। मैं इस मामले में विश्व में तीसरे स्थान पर हूं।÷ राजपाल सिंह ने कनाडा के एक खिलाड़ी को एक हाथ से 105 किलो वजन खींचने की चुनौती भी दी थी, लेकिन वह ऐसा नहीं कर सका।

मुझे अमेरिका जाने के लिए नहीं मिल सका वीजा

राजपाल सिंह ने बताया, मुझे अमेरिका जाने के लिए वीजा नहीं मिल सका। इसके बाद मैंने कनाडा जाकर भारत का परचम लहराया। मैंने वहां खिलाड़ी को एक हाथ से 105 किलोग्राम वजन उठाने का चैलेंज दिया, लेकिन उनसे ऐसा नहीं हुआ। मैंने यह एक उंगली से करके दिखाया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। उन्होंने आगे कहा, मैं सरकार से चाहता हूं कि हो सके तो मुझे कोच की नौकरी दी जाए, या तो अन्य नौकरी दे दें। मैंने शुरू से ही संघर्ष किया, लेकिन उसका फल नहीं मिल सका है। मेरी अब तक सुनवाई नहीं हो सकी है। मैं उम्मीद करता हूं कि भगवंत मान की सरकार मेरी सुन ले।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

जैकी भगनानी का लैविश घर देख चौंकी फराह, फिर उड़ाया मजाक

बॉलीवुड की फेमस कोरियोग्राफर और डायरेक्टर फराह खान अब एक सक्सेसफुल यूट्यूबर बन चुकी हैं। फराह के कुकिंग व्लॉग्स यूट्यूब पर ट्रेंड में रहते हैं। वो टीवी और बॉलीवुड सितारों के घर जाकर उनकी स्पेशल रेसिपी फैंस संग भी शेयर करती हैं। अब फराह एक्टर जैकी भगनानी और रकुल प्रीत के घर पहुंचीं। कुकिंग करने के साथ फराह ने उनकी लैविश लाइफस्टाइल से फैंस को रूबरू भी कराया। जैकी भगनानी और रकुल प्रीत सिंह का आलीशान घर देख फराह दंग रह गईं। वो जैकी को टीज करते हुए भी दिखाई दीं। जैकी भगनानी का लैविश घर देख फराह ने अपने कुक दिलीप से मजाक करते हुए कहा- हमें भी प्रोड्यूसर बनना है। फराह की बात पर जैकी ने हंसते हुए जवाब दिया- प्रोड्यूसर नहीं बनना, रियल स्टेट का काम करो। फराह ने भी कोई मौका नहीं छोड़ा। वो जैकी की बात पर उन्हें टीज करते हुए बोलीं- हां, हमें प्रोड्यूसर नहीं बनना है। हमें रियल स्टेट करना है, क्योंकि पहले इनके 10 फ्लोर थे। प्रोड्यूसर बनने के बाद सिर्फ 5 ही बचे हैं। फराह के इस मजेदार वन लाइनर पर हर किसी की हंसी छूट गई। जैकी ने अपने प्रोडक्शन में बनी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां (2024) के बॉक्स ऑफिस फेलियर पर भी बात की। उनकी फिल्म में अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ साथ नजर आए थे।

सुम्बुल ने लगाई बिगड़ैलों की क्लास, अमिताभ बच्चन ने की तारीफ, बोले- जहां अक्ल है...

कौन बनेगा करोड़पति के 17वें सीजन का अनाउंसमेंट हो चुका है। अब इस क्विज गेम शो के प्रीमियर की डेट भी सामने आ गई है। नए प्रोमो के साथ प्रीमियर डेट की अनाउंसमेंट की गई, जहां टीवी एक्ट्रेस सुम्बुल तौकीर खान और साथ ही शो के होस्ट और मेगा-स्टार अमिताभ बच्चन अपनी जानदार अपीयरेंस देते दिखे। शो शुरू होने से पहले ही इस प्रोमो से फैंस के दिलों में अपनी जगह बना ली है।

सुम्बुल ने सिखाया सबक- प्रोमो में सुम्बुल कुछ बिगड़ैल लोगों की अपनी तगड़ी जानकारी से जरिए क्लास लगाती दिख रही हैं। वो होटल की मैनेजर हैं लेकिन कस्टमर के बदतमीजी करने पर उन्हें शांति से डांट लगाते हुए बताती हैं कि एक होटल में बिहेव कैसे किया जाता है। अमिताभ बच्चन जो उसी रेस्टोरेंट में बैठे हैं, सब सुनते हैं। और तारीफ करते हुए कहते हैं- जहां अक्ल है वहां अकड़ है। इसलिए आज भी ज्ञान का दम सबसे बड़ा है। इसी प्रोमो के साथ बताया गया है कि KBC 17 का टीवी पर प्रसारण 11 अगस्त से शुरू होगा। हर बार की तरह ये शो सोनी लिव के ऐप पर भी देखा जा सकता है।

श्वेता-अभिषेक ने की तारीफ

प्रोमो फैंस के साथ अमिताभ के दोनों बच्चें- अभिषेक बच्चन और श्वेता बच्चन को भी खूब पसंद आ रहा है। श्वेता ने प्रोमो के कमेंट सेक्शन में कमेंट कर बेहतरीन, बहुत अच्छा लिखा, तो वहीं अभिषेक ने अपनी इंस्टा पोस्ट में शेयर कर लिखा कि- दि बॉस! वो वापस आ गए। फिर अग्निपथ के विजय दीनानाथ स्टाइल में लिखा केबीसी के साथ अपॉइंटमेंट है। इंग्लिश बोलता है। ये शो पिछले 25 सालों से लोगों का मनोरंजन कर रहा है, और अब इसका 17वां सीजन जल्द ही शुरू होने वाला है। KBC का 16वां सीजन भी इसी साल फरवरी में खत्म हुआ था, और अब नया सीजन लोगों को एंटरटेन करेगा। KBC 17 की शूटिंग हाल ही में शुरू हुई है। कुछ समय पहले अफवाहें थीं कि शो में सलमान खान अमिताभ बच्चन की जगह ले सकते हैं, लेकिन अब बिग बी ने अपने ब्लॉग पर ये बताया है कि वही इस सीजन के होस्ट होंगे। उन्होंने शो के प्रोमो भी शूट किए हैं, जिसमें वो रजिस्ट्रेशन के सवाल भी पूछ रहे हैं। वहीं, सलमान खान अगस्त के आखिर में %बिग बॉस 19% के साथ वापस आने वाले हैं, जिसे Jio Hotstar पर देखा जा सकेगा।

मेट्रो बाजार

वैश्विक तनाव, व्यापार अनिश्चितता के बावजूद भारत 6.5% की दर से बढ़ेगा?

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन एस महेंद्र देव ने मंगलवार को कहा कि भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार नीति से जुड़ी अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष (2025-26) में 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। देव ने विशेष बातचीत में कहा कि अच्छे मानसून और नीतिगत ब्याज दर में लगातार तीन कटौतियों की वजह से मुद्रास्फीति कम रहने से घरेलू वृद्धि को समर्थन मिलेगा। प्रख्यात अर्थशास्त्री ने कहा, भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार नीति से जुड़ी अनिश्चितताओं के दोहरे झटके जैसी कई वैश्विक चुनौतियां हैं। हालांकि, भारत की अर्थव्यवस्था जुझारू है और यह बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना हुआ है। देव ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के पहले दो महीनों के प्रमुख संकेतक घरेलू अर्थव्यवस्था के जुझारू प्रदर्शन का संकेत देते हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ पाना संभव है। उन्होंने कहा, मजबूत राजकोषीय प्रबंधन के साथ भारत की मध्यम अवधि की वृद्धि संभावनाएं मजबूत प्रतीत होती हैं। ईएसी-पीएम के प्रमुख ने कहा कि बढ़ते सरकारी पूंजीगत व्यय का निजी उपभोग में स्वस्थ वृद्धि के साथ वृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

ईपीएफओ : अब घर खरीदने के लिए पीएफ से निकाल सकेंगे 90% रकम

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने पीएफ से पैसा निकालने के नियमों में बड़ा बदलाव किया है, यह उन लोगों के लिए राहतभरी खबर है जो अपना पहला घर खरीदने की योजना बना रहे हैं। नए नियमों के तहत अब ईपीएफ सदस्य अपने फंड से 90फीसदी तक रकम निकाल सकते हैं, जो पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा है।

क्या है नया नियम?- पहला घर खरीदने, नया घर बनाने या होम लोन की एटक चुकाने के लिए ईपीएफ सदस्य अब अपने खाते से 90 फीसदी तक पैसा निकाल सकते हैं। पहले, इसके लिए कम से कम 5 साल की सेवा जरूरी थी लेकिन अब सिर्फ 3 साल के बाद ही यह लाभ लिया जा सकता है।यह सुविधा जीवन में केवल एक बार ली जा सकती है। ये बदलाव ईपीएफ स्कीम 1952 के पैरा 68-बीडी के तहत किए गए हैं।

और क्या बदला है?- ऑनलाइन क्लेम के लिए अब बैंक चेक या पासबुक की सत्यापित कॉपी अपलोड करना जरूरी नहीं रहेगा। बैंक खाता सत्यापन अब सिर्फ आधार डळढ से होगा, नियोक्ता की भूमिका खत्म कर दी गई है। यदि कोई सदस्य बैंक खाता बदलना चाहता है, तो नया खाता नंबर और आईएफएससी कोड डालकर ओटीपी से पुष्टि कर सकता है।

ऑटो-सेटलमेंट लिमिट बढ़ी- पहले, ऑटो-सेटलमेंट यानी 72 घंटे में पीएफ क्लेम की सीमा 1 लाख रुपये तक थी।अब इसे बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया गया है, जिससे जरूरतमंद कर्मचारियों को तेज भुगतान मिलेगा।

बाइक फिसलने से हुई युवक की मौत

भोपाल। परवलिया इलाके में एक्सीडेंट में हुई एक युवक की मौत के मामले में पुलिस ने मृतक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज किया है। मर्ग जांच के दौरान पता चला कि युवक की बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई थी, जिससे चोट आने के कारण उसकी मौत हुई थी। जानकारी के अनुसार सुनील पुत्र ज्ञानसिंह (31) ग्राम रसूलिया पठार थाना परवलिया सड़क पर रहता था। बीती 26 मई की रात करीब ग्यारह बजे घर लौटते समय रसूलिया पठार मंदिर के पास उसकी तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई थी, जिससे सुनील को गंभीर चोट आई थी। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां करीब एक पखवाड़े बाद इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया था।

लोडिंग वाहन की टक्कर से हुई भैंस की मौत

भोपाल। अशोका गार्डन इलाके में मंगलवार को एक तेज रफ्तार लोडिंग आटो चालक ने मुर्रा भैंस को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से गिरी भैंस ने करीब दस मिनट बाद ही तड़पते हुए दम तोड़ दिया। पुलिस ने टक्कर मारने वाले वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार प्रगति नगर में रहने वाले उबेस खान स्वयं की दूध डेयरी चलाते हैं। मंगलवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे वह अपने दोस्त के साथ भैंसों को चराकर वापस प्रगति नगर लौट रहे थे। वाहन चालक पर दर्ज किया केस प्रायवेट बिजली कालोनी के मेन रोड पर भैंसों को लेकर पहंचे, तभी एक तेज रफ्तार लोडिंग आटो चालक ने उनकी मुर्रा भैंस को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से भैंस वहीं पर गिर पड़ी और करीब दस मिनट तक तड़पने के बाद दम तोड़ दिया। एक्सीडेंट में मारी गई भैंस की कीमत करीब सवा लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने उबेस की रिपोर्ट पर आटो चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

भोपाल। कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित प्रेमपुरा में मंगलवार दोपहर एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस के अनुसार योगेश भलावी पिता मुन्नालाल भलावी (26) प्रेमपुरा, कमला नगर में रहता था। उसकी शादी नहीं हुई?थी। वह पुताई का काम करता था। योगेश मंगलवार दोपहर घर पर अकेला था, जबकि मां घरों में काम करने जाती है और वह काम पर गई?थी। शाम करीब 4 बजे मां काम से लौटी तो उसने योगेश का शव फांसी के फंदे पर लटका देखा था। उनकी चीख पुकार सुनकर आसपास के लोग आ गए और योगेश का शव रस्सी का फंदा काटकर नीचे उतार लिया गया। इधर सूचना मिलते ही पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया, लेकिन सुसाइड नोट नहीं मिला है।

बगरौदा औद्योगिक क्षेत्र में हुआ हादसा, बाइक सवार से मांगी थी लिफ्ट

अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को कुचला, एक की मौत, दो घायल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित बगरौदा औद्योगिक क्षेत्र में बाइक सवार सिक्योरिटी गार्ड और उसके साथी को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में सिक्योरिटी गार्ड की मौत हो गई, जबकि उसका साथी और बाइक चला रहा अन्य व्यक्ति घायल हुआ है। एम्स अस्पताल से मिली सूचना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश कर रही है। पुलिस के अनुसार 55 साल के कल्याण सिंह, सलामतपुर के रहने वाले थे।

वे औद्योगिक क्षेत्र की एक कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते थे। रात बगरौदा निवासी तुलाराम के साथ वह भोपाल आने के लिए निकले थे। तुलाराम भी बगरौदा में कंपनी में काम करता है। कल्याण सिंह और तुलाराम ने बाइक सवार नीतू सिंह से लिफ्ट मांगी और उसकी बाइक पर सवार होकर भोपाल के लिए निकले थे। वे औद्योगिक क्षेत्र बगरौदा में पानी की टंकी के पास मुख्य सड़क पर पहुंचे ही थे कि उनकी बाइक को रात करीब आठ बजे पीछे से किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद तीनों को एंबुलेंस एम्स लेकर पहुंची, वहां डॉक्टर ने चेक कर करने के बाद कल्याण सिंह को मृत घोषित कर दिया। तुलाराम की हालत नाजुक बनी हुई है। तुलाराम और नीतू सिंह अभी बयान देने की स्थिति में नहीं है। उनके बयान होने के बाद ही टक्कर मारने वाले वाहन के बारे में पता चल सकेगा।

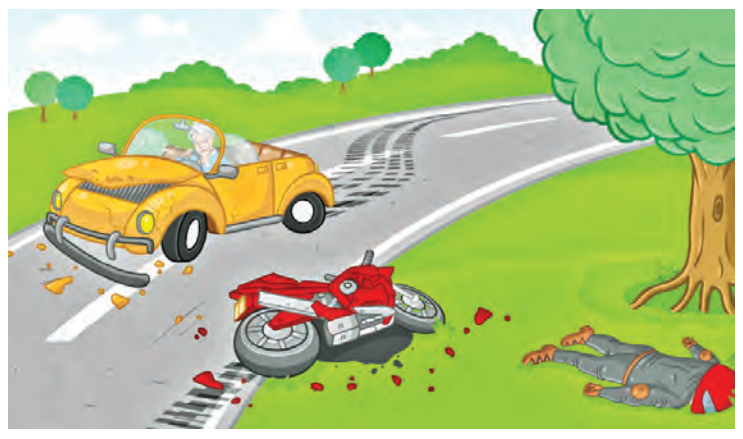

थाने के सामने खड़ी कार में बाइक चालक ने मारी टक्कर

भोपाल। ईंटखेड़ी थाने के सामने ट्रैफिक के कारण खड़ी एक कार में पीछे से आ रहे बाइक चालक ने टक्कर मार दी, जिससे कार में काफी नुकसान हुआ। चालक ने जब बाइक वाले को समझाने का प्रयास किया तो वह गाली-गलौज करने लगा। हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने बाइक चालक को हिरासत में ले लिया। जानकारी के अनुसार पंकज जैन (47) इंदौर में रहते हैं। मंगलवार को वह अपने पिता सुरेंद्र कुमार का इलाज कराने के लिए शमशाबाद गए थे। शाम करीब सवा पांच बजे पिता को लेकर वापस कार से इंदौर लौट रहे थे। ईंटखेड़ी थाने के सामने ट्रैफिक ज्यादा होने के कारण उन्होंने अपनी कार रोक ली और यातायात चालू होने का इंतजार करने लगे। इसी दौरान पीछे से आए एक तेज रफ्तार बाइक चालक ने उनकी कार में टक्कर मार दी, जिससे लाईट और बंफर टूट गया। पंकज ने कार से उतरकर बाइक चालक को समझाने का प्रयास किया तो वह गाली-गलौज करते हुए धमकी देने लगा। इसी बीच पहुंची पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया। पंकज की रिपोर्ट पर आरोपी बाइक चालक के खिलाफ एक्सीडेंट और बदसलूकी करने का मामला दर्ज कर लिया गया है।

बाइक सवार को बस ने ठोका

उधर गोविंदपुरा इलाके में बाइक सवार एक व्यक्ति को बस चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार नीरज सिंह (52) साकेत नगर में रहते हैं और प्रायवेट काम करते हैं। सोमवार दोपहर करीब दो बजे वह अपनी बाइक से साकेत नगर से एमपी नगर की तरफ जा रहे थे। पंचवटी कालोनी के पास हबीबगंज मस्जिद की तरफ से आ रही एक बस के चालक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे वह बाइक समेत सड़क पर गिरकर घायल हो गए। नीरज के सीने और शरीर में गंभीर चोट आई है। उन्हें इलाज के लिए एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कार की टक्कर से घायल हुआ बाइक सवार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल। बैरसिया इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार मनोज कुशवाह (25) नयापुरा सिरोंज जिला विदिशा में रहता है प्रायवेट आशकर कंपनी में काम करता है। सोमवार की शाम को वह भोपाल से अपने घर विदिशा लौट रहा था। बैरसिया के आगे सिरोंज रोड स्थित ग्राम मनख्याई जोड़ के पास पहुंचा, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों से मिली सूचना के बाद मौके पर पहुंची एम्बुलेंस ने घायल को इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल से मिली सूचना के बाद पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ एक्सीडेंट का केस दर्ज कर लिया है।

कार की टक्कर से अस्पताल कर्मचारी घायल

भोपाल। बागसेवनिया इलाके में एक कार ने एम्स अस्पताल के कर्मचारी को टक्कर मारकर घायल कर दिया। घायल कर्मचारी ने इलाज कराने के बाद थाने जाकर कार चालक के खिलाफ एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई। जानकारी के अनुसार महेश कुमार जायसवाल (32) मूलत- सिंगरौली के रहने वाले हैं। फिलहाल वह साकेत नगर बागसेवनिया में रहते हैं और एम्स अस्पताल में नौकरी करते हैं। बीती दो जुलाई की सुबह करीब सवा नौ बजे वह अपनी मोटरसाइकिल से ड्यूटी पर जाने के लिए निकले थे। ग्रामीण बैंक के पास पहुंचने पर उन्हें एक कार चालक ने टक्कर मारकर घायल कर दिया। स्थानीय लोगों और साथ में काम करने वाले स्टाफ ने उन्हें इलाज के लिए एम्स अस्पताल में भर्ती कराया था। इलाज कराने के बाद मंगलवार को उन्होंने थाने जाकर टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ एक्सीडेंट की रिपोर्ट दर्ज कराई।

सुबह छह से आठ बजे तक आज से 26 जुलाई तक बंद रहेगी बोट क्लब सड़क

भोपाल। बोट क्लब, वन विहार और मानव संग्रहालय की तरफ जाने वाले लोग मंगलवार से 26 जुलाई तक सुबह छह से आठ बजे तक नहीं जा सकेंगे। जिसको लेकर वन विहार गेट से धूनी वाले दादाजी मंदिर तक सड़क को बंद कर दिया जाएगा। दरअसल वायु सेना की अग्निवीर योजना के तहत युवाओं की भर्ती की जानी है। जिसकी चयन प्रक्रिया को लेकर 12 दिनों तक दो घंटे के लिए सड़क को बंद किया गया है। वायुसेना की अग्निवीर योजना के तहत भर्ती हेतु चयन परीक्षा अग्निवीर योजना के तहत युवाओं की भर्ती प्रक्रिया 15 जुलाई से 26 जुलाई तक चलेगी। जिसमें होने वाली फिजिकल एक्टिविटी के संचालन और सुरक्षा को देखते हुए इस सड़क के ट्रैफिक को रोका जा रहा है। अफसरों ने आम लोगों से अपील की है कि वह सुबह छह से आठ बजे तक इस सड़क पर न जाएं। जरूरी होने पर आम लोग वैकल्पिक रास्तों का उपयोग कर सकते हैं।

रेल कर्मचारियों की लापरवाही से मशीन से लाखों के वायर चोरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दीवानगंज स्टेशन पर खड़ी करोड़ों की कीमत वाली ट्रैक मरम्मत पीसीटीएन मशीन से दो दिन पहले यानी 13 जुलाई की रात तीन चोरों ने इस मशीन से लाखों की कीमत के बायर चोरी कर भोपाल में बेच दिए थे। इस मामले में इंजीनियरिंग विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही सामने आ रही है।

दरअसल मशीन पर जिन कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी,वह ड्यूटी के दौरान सो गया था। इसका फायदा उठाते हुए। चोर मशीन से लाखों के बायर चोरी कर ले गए। सूत्रों के अनुसार वायर चोरी की घटना का पता लगते हुए। मामले की जानकारी आरपीएफ थाना विदिशा को दी गई। इसके बाद जांच शुरू की गई। जिसमें की तीनों आरोपियों को सुरक्षा बल ने गिरफ्तार कर लिया। उगली के चोट से हुई चोरों की पहचान रेलवे सूत्रों के अनुसार 13 जुलाई को वायर चोरी करने के बाद चोर उसी रात भोपाल पहुंचे। इसके अगले दिन उन्होंने बायर को भोपाल में बेच दिया था। इस घटना क्रम में एक आरोपी के हाथ में कट लग गया था। इसके आधार पर आरपीएफ ने चोरी को गिरफ्तार किया।

जानकारी के अनुसार आरपीएफ विदिशा चोरों को तत्काल पता लगाया। इसके बाद आरोपियों से पूछताछ कर बेचे गए माल और खरीदने वाले को भोपाल से गिरफ्तार किया गया ।

चोरों ने भोपाल में बेचा तार,आरपीएफ ने चोरों को किया गिरफ्तार

मेट्रो एंकर लांबाखेड़ा क्षेत्र का मामला

ट्रक से कुचलकर युवक की मौत, चालक पर केस दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ईंटखेड़ी इलाके में एक्सीडेंट हुई एक युवक की मौत के मामले में पुलिस ने टक्कर मारने वाले ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। हादसे के समय युवक अपनी मुंहबोली बहन की स्कूटर पर बैठकर जा रहा था, तभी ट्रक ने टक्कर मार दी थी।

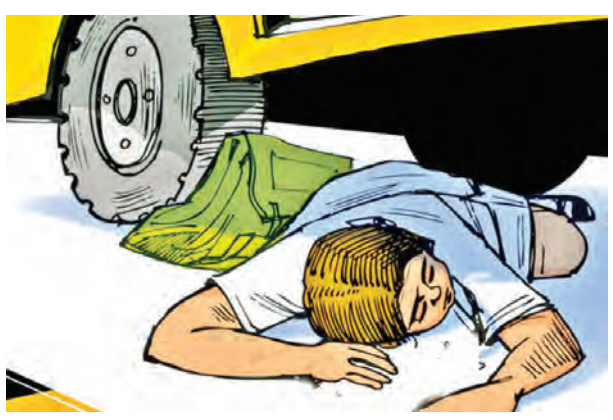

जानकारी के अनुसार महेंद्र दांगी (40) मूलत-ग्राम हिनौती थाना अहमदपुर जिला सीहोर का रहने वाला था। फिलहाल वह लांबाखेड़ा स्थित शुभ सिटी में रहता था और प्राइवेट काम करता था। बीती दस जुलाई की रात करीब नौ बजे वह अपनी मुंहबोली बहन मंजू कुशवाह के साथ ढाबे पर खाना खाने के बाद स्कूटर पर बैठकर घर लौट रहा था। बायपास रोड स्थित टेल्स गार्डन के पास पीछे से आ रहे एक ट्रक ने स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे महेंद्र उछलकर सड़क पर गिरा था। उसके गिरने के बाद ट्रक का पहिया उसके ऊपर से निकल गया था, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई थी। मर्ग जांच के बाद पुलिस ने टक्कर मारने वाले ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। मामले को संदिग्ध मान रही थी पुलिस प्रारंभिक जांच में इस मामले को संदिग्ध माना जा रहा था। दरअसल जिस स्थान पर हादसा हुआ था, वहां मृतक की मोटरसाइकिल खड़ी मिली थी, लेकिन उसमें कोई टूट फूट नहीं हुई थी। जांच के दौरान पता चला कि मृतक अपनी बाइक पर नहीं, बल्कि बहन की स्कूटर से घर लौट रहा था। घटना के समय मृतक की बाइक उसके दोस्त के पास थी, जो युवती के चाचा को लेकर पीछे चल रहा था।

अधेड़ व्यक्ति का पांच दिन बाद कुएं से बरामद हुआ शव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बैरसिया पुलिस ने एक कुएं से अधेड़ व्यक्ति की लाश बरामद की। शव करीब पांच दिन पुराना होने के कारण डीकम्पोज हो गया था। मृतक खेत पर जाने का कहकर घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे थे। परिजनों ने उनकी गुमशुदगी भी दर्ज कराई थी। मृतक ने पानी में डूबने के लिए अपने कपड़ों में पत्थर बांध लिए थे। पुलिस इसे स्पष्ट तौर पर खुदकुशी मान रही है, लेकिन सभी एंगल पर बारीकी से जांच की जा रही है। थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार सेन ने बताया कि ग्राम मंशापूरन में रहने वाले महाराज बंजारा (55) खेती किसानी करता था। बीती 11 जुलाई की दोपहर करीब तीन बजे वह खेत पर जाने का कहकर घर से निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। काफी तलाश करने के बाद भी जब उनका कुछ पता नहीं चला तो परिजनों ने अगले दिन थाने जाकर गुमशुगदी दर्ज कराई थी।

पश्चिम मध्य रेल
ई-निविदा सूचना
खुली निविदा क्रमांक: WCR-CRWS-SEAT-BERTH-25-14
भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-निविदा अनुभवी ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। कार्य का नामः स्ट्रीपिंग, ट्रांसपोर्टेशन, रिपेयर एंड फिटमेंट ऑफ डिफरेंट टाईप ऑफ सीट/बर्थ्स/चेयर्स एंड पीवीसी ऑफ रेल्वे बीजी कोचेस एट सीआरडब्ल्यूएस, भोपाल। कार्य की लागतः ₹ 2,37,36,520.89. निविदा फार्म का मूल्यः 0.00. धरोहर राशिः ₹ 2,68,700/-. कार्य पूर्ण करने की अवधिः 24 माह। ऑनलाइन बिडिंग प्रारम्भ होने का दिनांक/ऑनलाइन निविदा बंद होने का दिनांक एवं समयः 21.07.2025/ 04.08.2025 को 15.00 बजे तक। निविदा खुलने का दिनांक एवं समयः 04.08.2025, 15.30 बजे। निविदा तथा निविदा प्रारुप की विस्तृत जानकारी भारत सरकार की वेबसाइट www.ireps.gov.in एवं निविदा सूचना मुख्य कारखाना प्रबन्धक, सडिपुका/भोपाल कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है।
मुख्य कारखाना प्रबंधक, सडिपुका, निशातपुरा, भोपाल.
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022